शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 46 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 12 मार्च 2024

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

देश में सीएए लागू, अधिसूचना जारी

तीन मुल्कों के छह प्रवासी समुदायों को मिलेगी नागरिकता

नई दिल्ली: देश में 'नागरिकता संशोधन अधिनियम' (सीएए) के नियम लागू हो गए हैं। केंद्र सरकार ने सोमवार शाम को नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। इसके लिए पोर्टल भी तैयार कर लिया गया है, जिसके जरिए गैर मुस्लिम प्रवासी समुदाय के लोग नागरिकता पाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। कुछ दिन पहले ही केंद्रीय गृह मंत्रालय को नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 के नियमों को तैयार करने के लिए लोकसभा में अधीनस्थ कानून पर संसदीय समिति की तरफ से एक और विस्तार मिला था। पहले के सेवा विस्तार की अवधि नौ जनवरी को खत्म हो गई थी। सीएए के नियम तैयार करने के लिए गृह मंत्रालय को सातवीं बार विस्तार प्रदान किया गया था। इससे पहले राज्यसभा से भी गृह मंत्रालय को उक्त विषय पर नियम बनाने व लागू कराने के लिए 6 महीने का विस्तार मिला था। सीएए नियमों के तहत ऑनलाइन पोर्टल के जरिए आवेदन मांगे जाएंगे। इस प्रक्रिया का काम पूरा हो चुका है। नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों के तहत भारत के तीन मुस्लिम पड़ोसी देश, जिनमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं, से आए गैर मुस्लिम प्रवासी लोगों के लिए भारत की नागरिकता लेने के नियम आसान हो जाएंगे। इन छह समुदायों में हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी, शामिल हैं। नागरिकता संशोधन विधेयक 11 दिसंबर, 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया था। एक दिन बाद ही इस विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति मिल गई थी। सीएए के जरिए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता लेने में आसानी होगी। सीएए, किसी व्यक्ति को खुद नागरिकता नहीं देता है। इसके जरिए पात्र व्यक्ति, आवेदन करने के योग्य बनता है। यह कानून उन लोगों पर लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए थे। इसमें प्रवासियों को वह अवधि साबित करनी होगी कि वे इतने समय में भारत में रह चुके हैं। उन्हें यह भी साबित करना होगा कि वे अपने देशों से धार्मिक उत्पीड़न की वजह से भारत आए हैं। वे लोग उन भाषाओं को बोलते हैं, जो संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हैं। उन्हें नागरिक कानून 1955 की तीसरी सूची की अनिवार्यताओं को भी पूरा करना होगा। इसके बाद ही प्रवासी आवेदन के पात्र होंगे।

'हम लोकसभा चुनाव से पहले अशांति नहीं...'

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले सोमवार को सीएए, एनआरसी को लेकर बड़ा बयान दिया। मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि अगर नागरिकता संशोधन अधिनियम लोगों के साथ भेदभाव करता है तो वह इसका विरोध करेंगी। उन्होंने कहा , "सीएए, एनआरसी बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए संवेदनशील है। साथ ही ममता ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले हम अशांति नहीं चाहते।"

भेदभाव करने वाली किसी भी चीज का विरोध करेंगे- ममता:

सीएम ममता बनर्जी ने आगे कहा कि एनआरसी और सीएए के नाम पर लोगों को डिटेंशन कैंप में भेजा जाएगा तो वो विरोध करेंगी। सीएए नियमों को अधिसूचित किए जाने की अटकलों पर बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा, "लोगों के साथ भेदभाव करने वाली किसी भी चीज का विरोध करेंगे।"

पहले मुझे नियमों को देखने दीजिए- सीएम

सीएए नियमों को अधिसूचित करने की संभावना पर उन्होंने कहा, "पहले मुझे नियमों को देखने दीजिए। अधिसूचना अभी तक जारी नहीं की गई है। अगर लोगों को नियमों के तहत उनके अधिकारों से वंचित किया जाता है, तो हम इसके खिलाफ लड़ेंगे। यह चुनाव के लिए बीजेपी का प्रचार है, इसके सिवा कुछ नहीं है।"

क्या है सीएम और इससे किसे मिलेगी नागरिकता

लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले मोदी सरकार ने बड़ा सियासी दांव चल दिया है। केंद्र सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

क्या है नागरिकता संशोधन कानून?

सीएए नागरिकता संशोधन कानून 2019, तीन पड़ोसी देशों (पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश) के उन अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता देने का रास्ता खोलता है, जिन्होंने लंबे समय से भारत में शरण ली हुई है। इस कानून में किसी भी भारतीय, चाहे वह किसी मजहब का हो, की नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है। भारत के मुस्लिमों या किसी भी धर्म और समुदाय के लोगों की नागरिकता को इस कानून से कोई खतरा नहीं है।

सीएए कब हुआ था पारित?

सीएए को भारतीय संसद में 11 दिसंबर, 2019 को पारित किया गया था, जिसमें 125 वोट इसके पक्ष में पड़े थे और 105 वोट इसके खिलाफ थे। राष्ट्रपति द्वारा इस विधेयक को 12 दिसंबर को मंजूरी भी दे दी गई थी। मोदी सरकार और उसके समर्थक जहां इसे ऐतिहासिक कदम बता रहे हैं, वहीं विपक्ष, मुस्लिम संगठन द्वारा इसका काफी विरोध किया जा रहा हैं।

नागरिकता संशोधन कानून है। राष्ट्रपति की मुहर लगने के बाद ये बिल नागरिक संशोधन कानून यानी एक्ट बन गया है।

सीएए को लेकर क्यों हो रहा विवाद?

नागरिक (संशोधन) कानून में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से विशिष्ट धार्मिक समुदायों (हिंदू, सिख, जैन, ईसाई, बौद्ध और पारसी) को अवैध अप्रवासियों के लिए भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है। इस पर कुछ आलोचकों का कहना है कि ये प्रावधान भेदभावपूर्ण है, क्योंकि इसमें मुसलमानों को शामिल नहीं किया गया है। जिसके कारण ये विवादों में घिरा हुआ है।

सीएए में अब तक मुस्लिमों को क्यों नहीं जोड़ा गया?

गृहमंत्री अमित शाह ने नागरिकता संशोधन कानून को लेकर संसद में बताया था कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश मुस्लिम देश हैं। वहां धर्म के नाम पर बहुसंख्यक मुस्लिमों का उत्पीड़न नहीं होता है, जबकि इन देशों में हिंदुओं समेत अन्य समुदाय के लोगों को धर्म के आधार पर प्रताड़ित किया जाता है। इसलिए इन देशों के मुस्लिमों को नागरिकता कानून में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, इसके बाद भी वह नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिस पर सरकार विचार कर फैसला लेगी।

किसे मिल सकेगी नागरिकता?

सीएए लागू होने के बाद नागरिकता देने का अधिकार पूरी तरह से केंद्र सरकार के पास होगा।

पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, ईसाई और पारसी धर्म से जुड़े शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता दे दी जाएगी। बता दें कि जो लोग 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत में आकर बस गए थे, उन्हें ही नागरिकता मिलेगी। इस कानून के तहत उन लोगों को अवैध प्रवासी माना गया है, जो भारत में वैध यात्रा दस्तावेज (पासपोर्ट और वीजा) के बगैर घुस आए हैं या फिर वैध दस्तावेज के साथ तो भारत में आए हैं, लेकिन तय अवधि से ज्यादा समय तक यहां रुक गए हों।

नागरिकता के लिए कैसे करें आवेदन?

नागरिकता पाने की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन ही रखी गई है। जिसे लेकर एक ऑनलाइन पोर्टल भी तैयार किया जा चुका है। नागरिकता पाने के लिए आवेदकों को अपना वह साल बताना होगा जब उन्होंने बिना किसी दस्तावेज के भारत में प्रवेश किया था। आवेदक से किसी तरह का कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। नागरिकता से जुड़े जितने भी मामले लंबित उन सबको ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिया जाएगा। पात्र विस्थापितों को सिर्फ ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर अपना आवेदन करना होगा। जिसके बाद गृह मंत्रालय आवेदन की जांच करेगा और आवेदक को नागरिकता जारी कर दी जाएगी।

क्या है यूनिफॉर्म सिविल कोड?

यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर एक बार फिर से चचाएं तेज हो गई हैं। सरकार ने इसे लागू करने के संकेत दे दिए हैं जिसके बाद से ही यूसीसी को लेकर लोगों के बीच चर्चा हो रही है। बता दें कि यूसीसी में देश में सभी धर्मों, समुदायों के लिए एक सामान, एक बराबर कानून बनाने की बात की गई है। आसान भाषा में समझें तो इस कानून का मतलब है कि देश में सभी धर्मों, समुदाओं के लिए कानून एक समान हो जाएगा। मजहब और धर्म के आधार पर मौजूदा अलग-अलग कानून निष्प्रभावी हो जाएंगे।

गाजीपुर में दर्दनाक हादसा: पांच जिंदा जले

एचटी लाइन के संपर्क में आने से बस में लगी आग

गाजीपुर: उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में बड़ा हादसा हुआ है। यहां बस में लगी आग के बाद अभी तक पांच शव बाहर निकाले गए हैं। कई लोग झुलस गए हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर चीख-पुकार मची है। हादसे का शिकार हुई बस बरातियों से भरी बताई जा रही है। कुल 38 बराती बस में सवार थे। सूचना पाकर मौके पर मोबाइल फोरेंसिक टीम भी पड़ताल के लिए पहुंच गई है। इस हादसे में 5 लोगों के मौत की पुष्टि हुई है। वहीं, दर्जनभर लोग झुलसे हुए हैं। दो लोगों की हालत गंभीर है, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।बताया जा रहा है कि यहां एक निजी बस में आग आग लग गई है। एचटी

लाइन के संपर्क में आने से बस हादसे का शिकार हो गई। आग की चपेट में आने से कई लोग झुलस गए हैं। बस मऊ से एक वैवाहिक कार्यक्रम में जा रही थी। मरदह थाना के 400 मीटर के पास एचटी तार के संपर्क में आने से बस में आ आग लग गई। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी और पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह भी मौके पर पहुंच गए हैं। एसपी ने बताया कि गाड़ी जनपद के बाहर की है। यह घटना कैसे हुई है, देखा जा रहा है।

सीएम ने मुआवजे का किया ऐलान: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजीपुर हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने झुलसे लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। सीएम के अनुसार, मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

अग्नि-5 मिसाइल का परीक्षण सफल

'मिशन दिव्यास्त्र' के लिए पीएम मोदी ने डीआरडीओ को दी बधाई

नई दिल्ली: भारत ने मिशन दिव्यास्त्र का परीक्षण किया है। मिशन दिव्यास्त्र के सफल परीक्षण को लेकर ढट मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर अऋऊ के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल तकनीक के साथ स्वदेशी रूप से विकसित अग्नि -5 मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण मिशन दिव्यास्त्र के लिए हमारे डीआरडीओ वैज्ञानिकों पर गर्व है।"

'भारत ने आज मिशन दिव्यास्त्र का किया परीक्षण': भारत सरकार के सूत्रों ने जानकारी देते हुए बताया कि "भारत ने आज मिशन दिव्यास्त्र का परीक्षण किया गया है। मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल तकनीक के साथ स्वदेशी रूप से विकसित अग्नि -5 मिसाइल का यह पहला उड़ान परीक्षण था। इस परीक्षण से यह सुनिश्चित होगा कि एक ही मिसाइल विभिन्न स्थानों पर कई युद्ध प्रमुखों को तैनात कर सकती है।

परियोजना निदेशक एक महिला है और इसमें महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है।" मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) उस तकनीक को कहते है जिसमें किसी मिसाइल में एक ही बार में एक से ज्यादा परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता होती है। जिससे आप दुश्मन के अलग-अलग लक्ष्यों को भेदा जा सकता है।

क्या है अग्नि 5 मिसाइल की खासियतः अग्नि 5 मिसाइल अग्नि सीरीज की 5000 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता वाली सबसे लंबी दूरी की मिसाइल है। अग्नि 5 मिसाइल देश की दीर्घकालिक सुरक्षा जरूरतों को देखते हुए विकसित किया गया है। यह मिसाइल चीन के सबसे उत्तरी हिस्से के साथ-साथ यूरोप के कुछ क्षेत्रों सहित लगभग पूरे एशिया को अपनी मारक क्षमता के अंतर्गत ला सकती है। अग्नि 1 से 4 तक के मिसाइलों की मारक क्षमता 700 किमी से 3,500 किमी तक है और इन्हें पहले ही तैनात किया जा चुका है। भारत पृथ्वी की वायुमंडलीय सीमा के अंदर और बाहर शत्रुतापूर्ण बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने की क्षमता विकसित कर रहा है।

मिशन दिव्यास्त्र के साथ भारत को मिलेगी नई पहचानः मिशन दिव्यास्त्र के परीक्षण के साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है जिनके पास एमआईआरवी (टकफ्र) क्षमता है। यह प्रणाली स्वदेशी एवियोनिक्स प्रणालियों और उच्च सटीकता सेंसर पैकेजों से सुसज्जित है, जो यह सुनिश्चित करती है कि पुनः प्रवेश करने वाले वाहन वांछित सटीकता के भीतर लक्ष्य बिंदुओं तक पहुंचें। यह क्षमता भारत की बढ़ती तकनीकी शक्ति की प्रतीक है।

'बच्चों के अश्लील वीडियो को डाउनलोड करना और देखना पोस्को के तहत अपराध नहीं'

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मद्रास हाई कोर्ट के द्वारा बच्चों के अश्लील वीडियो के फैसले पर आपत्ति जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को "अत्याचारी" करार दिया है जिसमें बच्चों के अश्लील वीडियो डाउनलोड करना और उसको देखने को अपराध नहीं माना गया था। सोमवार को मद्रास उच्च न्यायालय के इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की है। उच्च न्यायालय ने 11 जनवरी को अपने मोबाइल फोन पर बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री डाउनलोड करने के आरोप में 28 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी थी। इसमें यह भी कहा गया था कि आज के बच्चे अश्लील वीडियो देखने की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं और उन्हें दंडित करने के बजाय, समाज को उन्हें शिक्षित करने के लिए "इतना परिपक्व" होना चाहिए।

भाजपा सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ : खरगे

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद अनंत हेगडे. के बयान, 'संविधान को नए सिरे से लिखने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी-एनडीए को 400 सीटों की जरूरत है' को लेकर सियासी बवाल जारी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अनंत कुमार हेगड़े के बयान को लेकर सोमवार को भाजपा पर जमकर हमला किया। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा संविधान में निहित सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ है। दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य केवल संविधान में संशोधन करके भारी जनादेश प्राप्त करना है। खरगे ने कहा, "मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि भाजपा ने संविधान को पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया है।" प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि संविधान नहीं बदला जाएगा

उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि संविधान नहीं बदला जाएगा और दूसरी तरफ वह अपने लोगों ये कहने की इजाजत देते हैं कि उन्हें संविधान में संशोधन के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत है।

संविधान बदलने से देश में उथल-पुथल मच जाएगीः

खरगे ने कहा कि यह बयान किसी बाहरी तत्व ने नहीं बल्कि भाजपा सांसद ने दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान में निहित सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ है। खरगे ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, "यह अच्छी मानसिकता नहीं है अगर आप संविधान बदलना चाहते हैं तो इससे देश में उथल-पुथल मच जाएगी।" इसीलिए पीएम मोदी 400 सीटें जीतने की बात करते हैंः खरगे ने कहा कि इसीलिए पीएम मोदी एनडीए के लिए 400 से ज्यादा सीटें जीतने की बात करते हैं, क्योंकि वे संविधान में संशोधन करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "अगर मेरी पार्टी में कोई भी ऐसी टिप्पणी करता है तो मैं उसे निकाल दूंगा।

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 11 लाख जवानों को सौगात

सीएपीएफ कैंटीन के सामान पर मिलेगी 50 फीसदी जीएसटी छूट

नई दिल्ली: केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 11 लाख जवानों के लिए राहत की खबर है। गृह मंत्रालय ने सीएपीएफ कैंटीन यानी केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार (केपीकेबी) पर मिलने वाले उत्पादों पर 50 फीसदी जीएसटी छूट देने की बात कही है। इस बाबत सोमवार को गृह मंत्रालय द्वारा कार्यालय ज्ञापन जारी किया गया है। कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार से सामान की खरीद पर 50 फीसदी जीएसटी सहायता दिनांक एक अप्रैल 2024 से लागू होगी। यह सहायता बजट के माध्यम से देय होगी। कन्फेडरेशन ऑफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन, इस छूट के लिए लंबे समय से आवाज उठा रही थी। इसके लिए एसोसिएशन ने अनेक केंद्रीय मंत्रियों को ज्ञापन भी सौंपा था। पीएमओ के साथ पत्राचार के माध्यम से यह मांग उठाई गई थी। बजट सत्र से पहले एसोसिएशन ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आग्रह किया था कि वे अंतरिम बजट में सीएपीएफ कैंटीन के

उत्पादों पर 50 फीसदी जीएसटी छूट देने की घोषणा करें। एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना था, सीपीसी कैंटीन पर जीएसटी टैक्स के चलते 20 लाख पैरामिलिट्री परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ जाता है। ऐसे में सीएपीएफ कंटीन में मिलने वाले उत्पादों पर सेना कैंटीनों की तर्ज पर जीएसटी में 50 फीसदी की छूट प्रदान की जाए। एसोसिएशन के चेयरमैन एवं पूर्व एडीजी एचआर सिंह व महासचिव रणबीर सिंह के मुताबिक, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों व उनके परिवारों के लिए 26 सितंबर 2006 को सेंट्रल पुलिस कैंटीन (सीपीसी) की स्थापना की गई थी। इसका मकसद था, जवानों को बाजार भाव से सस्ता घरेलू सामान मुहैया कराना। सीपीसी कैंटीन के अस्तित्व में आने से पहले सुरक्षा बलों की यूनिट द्वारा सेना की सीएसडी कैंटीन से घरेलू उपयोग वाला सामान खरीदा जाता था। देश भर के विभिन्न राज्यों में तकरीबन 119 मास्टर कैंटीन और 1778 सीपीसी कैंटीन हैं। सीपीसी कैंटीन में मिलने वाली वस्तुओं को थोक भाव में अगर कहीं से खरीदते हैं तो कैंटीन और बाजार की दरों में कोई फर्क नहीं रह जाता। एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार, अब सीपीसी कैंटीन का नाम बदलकर केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2020 में वोकल फॉर लोकल का नारा दिया था। इसका सीपीसी कैंटीन पर देखने को मिला। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर एक जून 2020 से केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार कैंटीनों में स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल पर जोर दिया गया। जीएसटी के लागू होने से पहले बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, मणिपुर, मेघालय, हरियाणा, राजस्थान, झारखंड, तमिलनाडु, उड़ीसा व केरल आदि राज्यों द्वारा सीपीसी कैंटीन में मिलने वाली वस्तुओं पर वैल्यू एडेड टैक्स (वैट) की छूट दी गई थी। जीएसटी लागू होने के बाद राहत के तौर पर, बजट में सहयोग करने की बात कही गई थी। इसके बाद कोई राहत नहीं मिली। कैंटीनों के सामान पर जीएसटी लागू हो गया। इसके चलते 20 लाख पैरामिलिट्री परिवारों का घरेलू बजट गड़बड़ा गया।

नमो ड्रोन दीदी योजना से महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर : संजय कुदेशिया

अखंड भारत संदेश

कार्डेट से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी महिलाओं को प्रमाण पत्र देती सांसद केशरी देवी पटेल,विधायक प्रवीण पटेल, विधायक सुरेंद्र चौधरी व ईकाई प्रमुख संजय कुदेशिया।

फूलपुर। इफको फूलपुर कार्डेट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से 1094 महिलाओं को नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत सोमवार को ड्रोन प्रदान किया। देश के विभिन्न हिस्सा से महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी तथा लखपति दीदी योजना व नमो ड्रोन दीदी योजना से लाभांवित महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सीधा संवाद किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कोई भी देश नारी शक्ति की गरीमा को आगे बढ़ते हुए ही आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि अब तक 1 करोड़ लखपति दीदी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि वह पहले प्रधानमंत्री जो महिलाओं को ध्यान में रख कर ग्रामीण शौचालय, उज्जवला गैस योजना, हर महिला का बैंक खाता, बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओं, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी की बात करते है। उन्होंने कहा कि अयुष्मान भारत, जन औषधि कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना, ड्रोन वितरण योजना का अधिकतम लाभ देश की महिलाओं को ही मिला है, जो महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया ने कहा कि अगर हम बदलाव का साथ नहीं देंगे तो हम विकास नहीं कर पाएंगे। मशीनों के इस्तेमाल से हमारे कार्य करने की क्षमता बढ़ जाती है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महिला सशक्तीकरण की सोच तथा इफको प्रबंध निदेशक डॉ उदय शंकर अवस्थी का अथक प्रयास है, जो किसानों के हित के लिए ही कार्य कर रहे हैं। राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी व सासंद केशरी देवी पटेल आधी आबादी का ध्यान रखने के लिए प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार प्रकट किया। इफको कोर्डेट से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी 104 महिलाओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रेखा मिश्रा ने किया। इस दौरान संयुक्त निदेशक उर्वरक विभाग गीता मिश्रा, विधायक फूलपुर प्रवीण पटेल , विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, महाप्रबंधक संजय वैश्य व एम.डी.मिश्र, संयुक्त महा प्रबंधक अनिता मिश्रा, ए.पी. राजेन्द्रन, पीके सिंह, संजय भंडारी, पीके पटेल, रत्नेश कुमार, अरवेन्द्र कुमार, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयं प्रकाश, इफको इम्पलाइज यूनियन के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विनय यादव,कोर्डेट प्रधानाचार्य डॉ हरीशचन्द्र, जनसम्पर्क अधिकारी सोनू तिवारी व अन्य बड़ी संख्या में इफको कर्मचारी व किसान कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा कल से

सहसों। क्षेत्र के देवनहरी गांव में संगीतमय सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। जिसमें कथावाचक परम पूज्य आचार्य डॉक्टर रामानंद जी के श्री मुख से आनंदमयी कथा का रसपान कराया जाएगा। जोकि 13 मार्च दिन बुधवार से प्रारंभ होकर 19 मार्च दिन मंगलवार तक चलेगा। कथा श्रवण का समय दोपहर 2 बजे से रखा गया है। तत्पश्चात 20 मार्च दिन बुधवार को हवन के साथ पूणार्हुति तथा 21 मार्च दिन गुरुवार को महाप्रसाद एवं भंडारे का आयोजन होगा। उक्त आशय की जानकारी आयोजक एवं मुख्य यजमान सभाजीत तिवारी ने दिया है।

आज आयेंगे पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा

कुण्डा प्रतापगढ़। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद दिनेश शर्मा मंगलवार को अपरान्ह 11 बजे क्षेत्र के नवाबगंज चौराहे से कौशांबी जाएंगे। सांसद कौशांबी विनोद सोनकर के मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि लखनऊ से चलकर प्रतापगढ़ के नवाबगंज चौराहे पर पूर्व उपमुख्यमंत्री का भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया जायेगा। स्वागत के बाद कौशांबी के काशी राम गेस्ट हाउस जाएंगे।

रामलला के दर्शन को लेकर कार्यकर्ता उत्साहित

प्रयागराज। श्री राम जन्मभूमि मंदिर दर्शन यात्रा के अंतर्गत भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा एवं कार्यक्रम के संयोजक नवीन शुक्ला के नेतृत्व में प्रयागराज के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में 12 मार्च को सुबह 6:00 अयोध्या के लिए रवाना हो रहे हैं मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि रामलला के दर्शन को लेकर कार्यकताओं में गजब का

प्रवेशिका के साथ कार्यकर्ता करेंगे रामलला का दर्शन

उत्साह बना हुआ है कार्यकताओं को अयोध्या रामलला के दर्शन हेतु प्रयागराज महानगर के द्वारा प्रवेशिका के साथ 120 बस की व्यवस्था की गई है और जिसमें लगभग 5200 कार्यकर्ता जाएंगे और 1000 कार्यकर्ता अपनी निजी साधन से जाएंगे और रामलला के दर्शन करेंगे।

बज्रांग आश्रम संस्कृत विद्यालय देवली में सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न

प्रतापपुर। देवली ग्राम में स्थित बज्रांग आश्रम संस्कृत विद्यालय में वेद वेदांग एवं धर्म संस्कृत का अध्ययन कर रहे बटुक ब्राम्हणों का सामूहिक यज्ञोपवीत ब्रतबंध संस्कार गुरुकुल संचालक आचार्य धीरज द्विवेदी याज्ञिक एवं आचार्य पवन शुक्ल, आचार्य राकेश पांडेय के सम्यक देखरेख में तथा भगवान परशुराम अखाड़ा के संस्थापक चाणक्य पीठाधीश्वर सुदर्शन शरण महाराज के द्वारा गायत्री मंत्र प्रदान कर पूरे विधि विधान से संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिवमंदिर कौशाम्बी के महंथ 108 भूपेन्द्रदास पुत्तन महाराज, रामजानकी मंदिर जंघई के महंथ 108 चन्द्रमादास महाराज, डॉ. ताराशंकर मिश्र, डॉ. नागेन्द्र नारायण मिश्र, धीरेन्द्र नारायण मिश्र, नागेश नारायण मिश्र, धर्मेन्द्र नारायण मिश्र, आचार्य चंद्रभूषण तिवारी, आचार्य विकास मिश्र, आचार्य विष्णुकांत पाण्डेय, आचार्य कौशल वैदिक, आचार्य श्यामसुंदर पांडेय, आचार्य कपिल जी, ब्लाक प्रमुख शैलेश यादव, विजय शंकर मिश्र, आचार्य साधू मिश्र, दासानुदास अजय पुजारी, कृपाचार्य कृपाशंकर जी, आचार्य दिनेश जी, अशोक दुबे, किशन पाठक, बृजेश यादव शेरा, देवेन्द्र सिहं, ई. रजनीकांत पांडेय, अखिलेश राय सभाजीत मिश्र आदि लोग उपस्थित रहे।

जोन अल्लापुर में गृहकर वसूली के दौरान भवन पर सीलिंग की कार्यवाही

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज द्वारा ऐसे गृहकर बकायेदारों जिन्होंने वर्षों से अपने भवन का गृहकर जमा नही किया है ऐसे बकायेदारों के विरूद्ध नियमानुसार नोटिस प्राप्त कराने के पश्चात भी अपने भवन का ससमय गृहकर नही जमा कर रहें हैं। ऐसे भवन स्वामियों के विरूद्ध सख्ती अपनाते हुए तथा गृहकर वसूली अभियान में तेजी दिखाते हुए नगर निगम प्रशासन की वसूली टीम द्वारा गृहकर न जमा करने वाले भवन स्वामियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए आज दिनांक 11.03.2024 को जोनल कार्यालय अल्लापुर में 12 भवन स्वामियों पर प्रस्तावित कुर्की के दौरान भवन संख्या 902बी/557 दारागंज, भवन स्वामी श्रीमती रश्मि दूबे तथा भवन संख्या 232/234 बख्शी खुर्द भवन स्वामी श्री शिव मोहन कश्यप के भवन पर गृहकर बकाया धनराशि रू0-61.00 हजार तथा धनराशि रू0-93.00 हजार बकाया था कुर्की की कार्यवाही के दौरान चेक से धनराशि प्राप्त हुई थी परन्तु चेक से प्राप्त धनराशि कैश नही हुई, चेक बाउन्स के कारण उक्त दोनों भवनों पर सीलिंग की कार्यवाही की गयी। सभी जोनों से कुर्की वसूली के दौरान गृहकर में प्राप्त कुल धनराशि रू0-13.00 लाख कैश/चेक के माध्यम से वसूलयावी की गयी। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी की वसूली टीम में कर अधीक्षक अल्लापुर श्री झम्मन सिंह व क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक तथा नगर निगम प्रर्वतन दल की टीम कार्यवाही में शामिल रहे।

मकान में घुसकर चोरों ने लाखों के जेवरात व नगदी उड़ाई

सुबह कुछ दूरी पर एक लावारिस बिना नम्बर की बाइक व खाली बीयर की बोतलें मिली

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र के ग्राम घीनपुर निवासी विनोद कुमार दुबे, पुत्र गोपीनाथ दुबे के यहां बीती रात चोरों ने घर के पीछे हाते में कूदकर परिजनों का कमरा बाहर से बंद कर कमरों में रखे सन्दूकों, अलमारी को उठा कर आंगन में रख कर घर की महिलाओं के सोने,चांदी के अभूषणों, नगदी लगभग डेढ से दो लाख रुपए, अन्य कीमती सामानों आदि लगभग दस की चोरी करने में सफल रहे। तथा सारे सामानों को अस्त व्यस्त कर दिए।सोमवार को सुबह जब परिजन सो कर उठे तो उक्त लाखों की चोरी की जानकारी हुई।इसकी सूचना 112 नम्बर और स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने चोरी हुए घर से दूर एक बिना नम्बर की बाइक को उठा ले गई और बीयर की खाली बोतलों को देखा। बताया गया कि लाखों की चोरी से क्षेत्र में कोहराम मचा हुआ है तथा ग्रामीण भयभीत हैं।इसके पूर्व मऊआइमा क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक स्थानों में हुई चोरी की घटनाओं में से पुलिस एक भी घटना का खुलासा नहीं कर सकी है।

हमारा आँगन हमारे बच्चे उत्सव का हुआ आयोजन

प्रयागराज। ब्लॉक संसाधन केंद्र धनूपर में खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉङ्क्ष प्रभा शंकर पांडेय की अध्यक्षता में प्री प्राइमरी और को लोकोटेड आंगनवाड़ी कार्यकर्ती और संबंधित विद्यालयों के नोडल शिक्षको के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभी आंगनवाड़ी से दो दो बच्चों को कार्यक्रम में प्रतिभाग कराया गया था। कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ पांडेय ने कहा की नन्हे मुन्ने बच्चों को खेलकूद के माध्यम से पठन पाठन पर जोर देने की आवश्यकता है उन्हें खेलकूद और खिलौने के माध्यम से पढ़ने पर जोर देने की जरूरत है।ब्लॉक के लहसुनिया पंचायत के पांच पांच बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया कार्यक्रम में मुख्यतः प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अफरोज अहमद, रघुवीर कुमार, बसंत लाल, मोहम्मद हबीब,कमल गुप्ता, अभिषेक कुमार, रामपूजन तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ती आदि लोग उपस्थित रहें।

सिपाही ने प्रतियोगी छात्रा से किया दुष्कर्म, केस दर्ज

प्रयागराज। प्रतियोगी छात्रा से एक सिपाही ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। आरोपी जब दूसरी शादी करने लगा तो छात्रा ने विरोध किया। इस पर पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी गई। साथ ही अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई। छात्रा की तहरीर पर कोतवाली पुलिस आरोपी सिपाही राजस्थान के डींग जिला निवासी गौरव सिंह और उसके जीजा के भाई व अन्य अज्ञात पर केस दर्ज कर जांच कर रही है। आरोपी सिपाही बाराबंकी ट्रैफिक पुलिस में तैनात है। शिवकुटी थानाक्षेत्र निवासी प्रतियोगी छात्रा ने पुलिस को तहरीर दी है कि वह सिपाही भर्ती के साथ अन्य सरकारी परीक्षाओं की तैयारी करती है। उसकी मुलाकात सोशल मीडिया के जरिए गौरव सिंह से हुई। शादी का झांसा देकर आरोपी 29 जनवरी 2023 को शहर के एक गेस्ट हाउस में बुलाया और नशीला पदार्थ खिलाकर शारीरिक संबंध बनाया। इतना ही नहीं अश्लील वीडियो और फोटो बना लिया। जब इसका विरोध किया तो धमकी दी कि मेरे हिसाब से नहीं चलोगी तो कहीं का नहीं छोड़ूंगा। पीड़िता ने कहा है कि जनवरी में पता चला कि आरोपी की कहीं और शादी हो रही है। इस पर बात करने का प्रयास किया तो जान से मारने की धमकी दी।

चोरी के जुर्म में फरार कोटेदार को गिरफ्तार करने की मांग

फर्जी वकील पत्रकार अधिकारी और बैंक कर्मी तथा श्रम अधिकारी चोरी में दो दिन पहले जा चुका है जेल

कोराव। क्षेत्र में एक शातिर किस्म का फ्रॉड और कूट रचित तथा अश्लील हरकतों और मूर्ख बना कर लोगों से अवैध धन वसूली करने वाला अल्हबा कोटेदार लाल बहादुर का पुत्र पवन कुमार पर दर्ज कुल नौ मुकदमें में वांटेड को तीन दिन पूर्व पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है जिससे कोराव पुलिस को लोगों ने सराहना की है साथ ही फसल चोरी में फरार लाल बहादुर पाल कोटेदार को तत्काल गिरफ्तार किए जाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि पवन कुमार पाल पर खीरी थाना सहित कोरांव थाने में गंभीर प्रकृति के अपराध में केस दर्ज है जिसमें वह पुलिस को चकमा दे कर बचता रहा। आरोप है कि जिस जिस ने उक्त अपराधी पर मुकद्दमा दर्ज कराया है उनसे केस वापिस न लेने पर अप्रिय वारदात की धमकी भी देता रहा है। जिसकी शिकायत थाना प्रभारी कोरांव से ले कर डीजीपी लखनऊ,पुलिस आयुक्त और डीसीपी यमुनानगर को गैगेस्टर एक्ट तथा गुंडा एक्ट आदि में निरुद्ध किए जाने की मांग की है। इसी तरह फरार लाल बहादुर पर कुल चार मुकदमें में वांछित है। ग्राम प्रधान अल्हवा ने कोटेदार और दर्ज गंभीर प्रकृति के मुकदमें में फरार होने पर सरकारी दुकान को ग्राम के किसी नजदीकी दुकान से संबद्ध किए जाने की मांग डीएम प्रयागराज से की है। जिस पर एडीएम सिविल सप्लाई प्रयागराज को कार्यवाही का आदेश दिया है। ग्राम सभा की सरकारी जमीन के अतिचारी यदि चक रोड नाली रास्ते,नदी नाले बंजर,नवीन परती आदि सार्वजनिक जमीनों से अपने कब्जे नहीं हटाएंगे तो निस्चय ही और लोगों के ऊपर विकेट गिरने वाला है। क्यों की मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ जी के मंशानुसार ग्राम पंचायत को सुदृढ करना चाहता हूं। और गरीबों भूमिहीनों को समाज और विकास की मुख्य धारा से जोडना चाहता हूं।

अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे ग्राम प्रधान अल्हवा कोराव प्रयागराज,

लेखपाल अपनी खुद की जमीन कब्जा मुक्त करने के लिए लगा रहा चक्कर

करछना। प्रयागराज तहसील करछना में राजस्व कर्मियों की घोर अनियमितता के चलते तालाबों एवं सरकारी भूमि पर कब्जा मुक्त करने के लिए राजस्व कर्मी कोई रुचि नहीं ले रहे हैं जिससे आए दिन क्षेत्र में भूमि विवाद के चलते मारपीट एवं मुकदमे बाजी शुरू हो जाती है जहां गरीबों का न्यायालय एवं कोर्ट कचहरी के चक्कर में दोहन हो रहा है तहसील करछना क्षेत्र के ग्राम हथिगन (चंद्रभान) का पूरा का एक सेवानिवृत्त लेखपाल विगत कई महीनो से अपनी भूमि दबंग से कब्जा मुक्त करने के लिए अधिकारियों के यहां चक्कर लगा रहा है उप जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में ग्राम हथिगन चंद्रभान का पुरा निवासी सलीम अहमद पुत्र स्वर्गीय अंशार अहमद जो कुछ महिने पहले तहसील करछना से सेवानिवृत हुए हैं उन्होंने एसडीएम करछना को शिकायती पत्र में बताया कि गांव के गाटा संख्या 1223/12/34 1235 /12361324 /1326 पुरानी आबादी गाटा संख्या 1172/3 1172/2/1323/4, 1359 फसली के खाते में तालाब की खाते की भूमि अंकित है जिसको अवैध ढंग से कुछ ग्राम वासियों ने अपने नाम से अंकित कर लिया है तथा पुरानी गाटा संख्या को कुछ काश्तकारों ने अपने नाम तथा आबादी के खाते में अवैध ढंग से अंकित कर लिया है भुक्तभोगी पूर्व लेखपाल ने प्रार्थना पत्र के माध्यम से शिकायत कई बार उप जिलाधिकारी करछना किया था तथा उच्च न्यायालय के रीट याचिका संख्या 2239/2022 सलीम अहमद बनाम स्टेट ऑफ यूपी प्रस्तुत किया गया था,जिसमें तालाब से अतिक्रमण हटाने तथा खतौनी को दुरुस्त करने को निर्देशित किया गया था लेकिन अभिलेखों में विपक्षी गण का नाम अबैध ढंग से अंकित है तथा विपछी गण का अवैध आक्रमण बना हुआ है वही पीड़ित लेखपाल ने फसली के खसरा के अनुसार अंकित खातेदारों का नाम निरस्त करके 1359 फसली के खसरा अनुसार पुनः ग्राम सभा/ राज्य सरकार के खाते में निहित करने की मांग किया था जो अभी राजस्व कर्मियों ने उक्त प्रार्थना पत्र पर कोई कार्रवाई नहीं किया जिससे पीड़ित पूर्व लेखपाल तहसील के कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर हो रहा है।

कंटीली तारों में लगे करंट से हुई मंगला की मौत

पुलिस ने तीनों आरोपियों को भेजा जेल

मांडा। बनवारी खास गांव के नहर के किनारे एक खेत में मिले युवक के शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण करंट बताया गया। खेत में लगे बाड़ के करंट से मौत के निशान भी युवक के पैर व टखने में थे। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस हत्या व साक्ष्य छिपाने के आरोप में चालान किया। पांच दिन पहले बुद्धवार सुबह मांडा थाना क्षेत्र के बनवारी खास गाँव के नहर के किनारे एक खेत में मिजार्पुर जनपद के लालगंज थाना क्षेत्र के अमहामाफी गांव निवासी मंगला प्रसाद प्रजापति (23) का शव मिला था। मंगला प्रसाद को बनवारी खास गाँव निवासी उसका दोस्त प्रमोद प्रजापति (22) मंगला की बाइक से दसवार गांव छोड़कर बाइक मंगला के घर रखकर अपने घर चला गया था। मंगला का दूसरे दिन शव मिलने पर मंगला के भाई उमा शंकर के तहरीर पर प्रमोद के खिलाफ हत्या व शव छिपाने का मुकदमा मांडा थाने में दर्ज हुआ। शव का पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर पता चला कि मंगला की मौत करंट के चलते हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में करंट से मौत होने की जानकारी पर इंस्पेक्टर मांडा शैलेंद्र सिंह, दरोगा रमेश कुमार सिंह, शाहनवाज आलम, योगेंद्र उपाध्याय, रीतेश यादव तथा एसओजी यमुनानगर रणजीत सिंह की टीम ने मामले मे राजितराम दुबे व हौसला कोल निवासी भौंसरा जागीर व कलंदर कोल निवासी पतार कला, लालगंज मिजार्पुरमिजार्पुर को गिरफ्तार किया तीनों आरोपियों ने बताया कि जंगली जानवरों व आवारा मवेशियों से बचाव के लिए वे खेत के किनारे बाड़ में 11 हजार वोल्टेज का करंट दौड़ाये थे। दसवार गाँव में स्थित खेत में मौत के बाद आरोपियों ने बोरे में भरकर शव बनवारी खास नहर के पास फेंक दिया था। आरोपियों के बयान के बाद लिखा पढ़ी कर तीनों आरोपियों को पुलिस ने सोमवार को न्यायालय भेज दिया।

अपना दल एस की मासिक बैठक में पुराने साथियों को मिला सम्मान

मेजा। रविवार को अपना दल एस की मासिक बैठक संपन्न हुई जिसमे पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा केंद्रीय मंत्री भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी के अनुमोदन से नव नियुक्त जिलाध्यक्ष यमुनापार राम मनोहर पटेल को कार्यकताओं ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत एवं सम्मान किया। सभी कार्यकताओं ने राम मनोहर पटेल को जिलाध्यक्ष मनोनीत करने हेतु शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया। पार्टी की जिलास्तरीय बैठक में राष्ट्रीय सचिव राजेश पटेल बुलबुल ने यशकायी बोधिसत्व डा0 सोनेलाल पटेल के साथ चलने वाले साथियों को मंच पर माला पहनाकर स्वागत किया तथा वर्तमान में पार्टी को प्रदेश की तीसरी बड़ी पार्टी के रूप में देख सभी गौरवान्वित हुए बैठक में उपस्थित सभी कर्मठ कार्यकर्ता पदाधिकारियों को भी मंच से सम्मानित किया इस सम्मान हेतु सभी ने राष्ट्रीय सचिव राजेश पटेल बुलबुल की प्रसंशा किया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम मनोहर पटेल ने किया ,मुख्य अतिथि राजेश पटेल बुलबुल राष्ट्रीय सचिव, अति विशिष्ठ अतिथि फूलचंद्र पटेल राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य किसान मंच, विशिष्ठ अतिथि गोकुल सिंह पटेल प्रदेश महासचिव सहकारिता ब्रजेश पटेल क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मंडल प्रयागराज एवं संचालन इंद्रजीत पटेल ने किया। इस मौके पर कन्हैयाला पटेल, विनोद कुमार पटेल, सम्राट राहुल मौर्य, दिनेश पटेल, शिव कुमार पटेल, परमानंद पटेल, महेंद्र पटेल , राजा पटेल, मिथिलेश पटेल, राजकरण कुशवाहा, कुलदीप सिंह पटेल, सुभम पटेल,शिवनारायण पटेल, अजीत सिंह, पंकज पाण्डेय, महेंद्र सिंह पटेल आदि के अलावा सैकड़ों कार्यकर्ता पदाधिकारी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

अवैध कब्जा के चलते नहीं बन पा रही मनरेगा से सड़क

अखंड भारत संदेश

ग्राम प्रधान के पत्र पर डीएम और एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रयागराज ने एसडीएम को दिए कार्यवाही के आदेश

एसडीएम कोरांव ने राजस्व और पुलिस बल को अल्हवा में अतिक्रमण हटाने का दिया हुक्म

कोराव। तहसील कोराव के ग्राम सभा अल्हवा में चकमार्ग पर उचित दर विक्रेता अल्हवा द्वारा अवेध निर्माण कर लिए जाने के कारण ग्राम प्रधान अल्हवा के मांग पत्र अनुसार सड़क निर्माण में आ रही बाधाओं के दृष्टिगत अवैध कब्जा हटाने का आदेश जिला अधिकारी कार्यालय और एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रयागराज,तथा मुख्य राजस्व अधिकारी प्रयागराज ने एसडीएम कोरांव और तहसील दार को आदेशित किया है।

बता दें कि अल्हवा ग्राम सभा की मुख्य चकमार्ग संख्या 1035 के आधे भाग पर उचित दर विक्रेता लाल बहादुर ने अवैध कब्जा कर लिया और में निर्माण कर लिया है। जिससे मनरेगा योजना से प्रस्तावित पाल बस्ती की पूरी सड़क नहीं निर्मित हो पा रही है। इस निमित तहसीलदार कोराव ने अपर आयुक्त प्रयागराज मंडल के आदेश पर राजस्व पुलिस बल की टीम गठित कर तहसीलदार के नेतृत्व में उक्त मार्ग की सीमांकन गत 24,जनवरी को की थी। और अतिचारी लाल बहादुर कोटेदार और पवन कुमार पाल के विरोध थाना कोरांव में क्राइम नंबर 25/2024 धारा 3/5 लोक संपत्ति निवारण अधिनियम में मुकद्दमा दर्ज करा दिया और सरकारी जमीन में जबरन बोई फसल को प्रधान की सुपुर्दगी में दे दिया था। जिसमे कोटेदार बाप बेटे ने चोरी में फसल को काट कर गायब कर दिए। जिस पर सुपुर्दगी में फसल को लेने वाले ग्राम प्रधान ने राजस्व अधिकारी के निर्देश पर थाना कोराब में क्राइम नंबर 46/2024 धारा 379आईपीसी में मुकद्दमा दर्ज कराया जिसमें पुलिस ने फसल बरामद कर एक को गिरफ्तार का धारा 379आईपीसी और 411आईपीसी में जैल भेज दिया। कोटेदार फरार हो गया।

पुष्प प्रदर्शनी में इस वर्ष भी राजकीय उद्यान की मोती लाल उद्यान इकाई ने परचम लहराया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। 09, 10 व 11 मार्च 2024 को आयोजित मण्डलीय फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी के अन्तिम दिवस में पुरस्कार वितरण का कार्य सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि श्री रमित शर्मा, पुलिस आयुक्त प्रयागराज कमिश्नरेट के हाथो द्वारा पुरस्कार वितरण सम्पन्न हुआ। प्रदर्शनी प्रतियोगिता में श्री सुरेश कुमार यादव, प्रभारी, मोती लाल उद्यान इकाई, राजकीय उद्यान, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज को सभी वर्गों में ओवर ऑल चैपियन हेतु चुनौती कप एवं रू0-21000/- धनराशि का चेक मुख्य अतिथि द्वारा दिया गया।

सम्पूर्ण प्रदर्शनी के द्वितीय ओवरआल विजेता के रूप में प्रभारी बैण्ड स्टैण्ड उद्यान इकाई श्री अशोक कुमार सिंह, राजकीय उद्यान प्रयागराज को शील्ड एवं रू0-11000/- धनराशि का चेक तथा सम्पूर्ण प्रदर्शनी के तृतीय ओवरआल विजेता के रूप में स्वराज भवन ट्रस्ट, प्रयागराज को शील्ड एवं रू0-5100/- का धनराशि का चेक दिया गया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री रमित शर्मा द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि प्रदर्शनी में लगे विभिन्न प्रजातियों के फूलों, शोभाकार पौधों, पुष्पों से बनी विभिन्न कलाकृतियॉ लोगों की रचनात्मकता का परिचायक है। जिलाधिकारी महोदय ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रदर्शनी में आये लोगों ने विभिन्न फूलों, फलों आदि का भरपूर आनन्द उठाया। यहाँ प्रदर्शित फलों, सब्जियों एवं फूलों की नई प्रजातियों एवं तकनीकों से किसान भी लाभान्वित होंगे। चन्द्रशेखर आजाद पार्क में आयोजित यह प्रदर्शनी प्रदेश में उद्यान विभाग की सबसे बड़ी प्रदर्शनी है। अगले वर्ष इस प्रदर्शनी को और अच्छा बनाने का प्रयास करें। मुख्य विकास अधिकारी ने इतनी अच्छी और भव्य प्रदर्शनी आयोजित करने हेतु उद्यान विभाग एवं पुष्प प्रदर्शनी समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया।

अधीक्षक राजकीय उद्यान द्वारा प्रदर्शनी के बारे में संक्षिप्त रूप से बताते हुए अवगत कराया कि अमर शहीद आजाद पार्क में आयोजित यह प्रदर्शनी पिछले 74 सालों से आयोजि की जा रही है। इस प्रदर्शनी को सफल बनाने में राजकीय उद्यान के मालियों एवं कार्यालय कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न अन्य संस्थायें जैसे इण्डियन बैंक, रेलवे, स्वराज भवन, नगर निगम, चिकित्सा, अग्निशमन, पुलिस , आर्मी , एयर फोर्स आदि का सहयोग रहता है। बच्चों में रचनात्मकता का विकास करने के लिए प्रदर्शनी में फोटोग्राफी एवं पेन्टिंग को को भी सम्मिलित किया गया है जिसमें चित्रकला के लिए 08 से 14 आयु वर्ग में प्रथम पुरस्कार सुभांगी त्रिपाठी एवं 15 से 25 आयु वर्ग में प्रथम पुरस्कार कुमार विष्णुकान्त को मिला। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में ओवरआल प्रथम पुरस्कार आशीष कुमार बिन्द को प्राप्त हुआ। अधीक्षक,राजकीय उद्यान, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज द्वारा बताया गया है कि 26 वर्गों में विभक्त प्रदर्शनी में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार के रूप में रू0-300/-एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले विजेताओं को रू0-200/- नगद के रूप में प्रदान किया गया। जो प्रतिभागी आज पुरस्कार पाने से वंचित रह गये है वे दिनांक-13.03.2024 को प्रातः 10:00 से 05:00 बजे के मध्य पुरस्कार से सम्बन्धित विवरण के साथ कार्यालय अधीक्षक, राजकीय उद्यान, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज में उपस्थित होकर अपने पुरस्कार प्राप्त कर सकतें है। कार्यक्रम का संचालन वी0 के0 सिंह औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, खुशरूबाग, प्रयागराज द्वारा किया गया।

चुनाव में जरा भी लापरवाही तो खुद को सस्पेंड समझें

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज कमिश्नरेट की क्राइम मीटिंग इस बार लोक सभा चुनाव पर फोकस रह गई। अपराध समीक्षा बैठक में डांट, फटकार के साथ ही थानेदारों को अल्टीमेटम दिया गया। कमिश्नर रमित शर्मा ने थाना प्रभारियों के क्विक रिस्पांस को लेकर खास हिदायत दी। कहा चुनाव के दौरान जरा सी लापरवाही होने पर थानेदार खुद को सस्पेंड ही समझें। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के निदेर्शों का शत प्रतिशत पालन जिम्मेदारी है। इसमें कोताही, लापरवाही, चूक की जरा भी गुंजाइश नहीं है। ऐसा हो जाता है तो थानेदार को इंतजार नहीं करना बल्कि यह मानकर चलें कि उन्हें निलंबित कर दिया गया है। क्राइम मीटिंग में सभी डीसीपी, एसीपी शामिल रहे।

वांछितों और पाबंद करने पर पूछा सवाल : कमिश्नर ने चुनाव से पहले की जाने वाली कार्रवाई का ब्योरा जाना। फरार चल रहे अपराधियों की गिरफ्तारी और चुनाव के मद्देनजर उपद्रव की आशंका पर पाबंदी की कार्रवाई पूछे जाने

क्राइम मीटिंग में थानेदारों को मिली फटकार

एयरपोर्ट थाना, दारागंज, शाहगंज थाना प्रभारी जवाब नहीं दे सके। सीपी ने विवेचनाओं के लंबित होने पर भी कई थाना प्रभारियों को फटकार लगाई। करेली, खुल्दाबाद, मुट्?ठीगंज थानों के प्रभारियों से गुंडा एक्ट के मामलों पर जवाब तलब किया। पुलिस अफसरों के साथ थाना प्रभारियों को हिदायत दी गई कि फ्लैग मार्च, रूट मार्च प्रतिदिन करें और वीडियो, फोटो के जरिए सूचित करें। उन्होंने रमजान त्योहार के मद्देनजर भी दिशा निर्देश जारी किए। कहा कि थानों में पीस कमेटी की बैठकें करें। पुराने शहर में सुरक्षा इंतजाम को लें।

शाम से रात तक करें गश्त: सीपी ने क्राइम मीटिंग में कहा कि सभी थाना प्रभारी अपने संवेदनशील क्षेत्र में शाम से लेकर रात तक गश्त करें। इस मामले की मानीटिंग डीसीपी और एसपी करें। एसीपी से कहा कि वह खुद भी पैदल मार्च पर निकलें और जनता का भरोसा जीतें।

यूपी में छह नहीं अब चलेंगी 10 वंदे भारत, 12 मार्च को देश में हो जाएंगी कुल 51 वंदे भारत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में चल रही वंदे भारत ट्रेनों की संख्या छह से बढ़कर 10 होने जा रही है। मंगलवार 12 मार्च से प्रदेश में कुल 10 वंदे भारत ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा, जबकि देश में इसकी संख्या 51 हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 मार्च को 10 नई वंदे भारत ट्रेन को वर्चुअली झंडी दिखाने जा रहे हैं। रविवार को यह जानकारी उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक रविंद्र गोयल ने सूबेदारगंज स्थित मुख्यालय में दी।महाप्रबंधक ने बताया कि अभी वर्तमान में 41 जोड़ी वंदे भारत ट्रेन सेवाएं भारतीय रेलवे में चल रही हैं। अब इनकी संख्या 51 जोड़ी होने जा रही है। महाप्रबंधक ने बताया कि 12 मार्च को पीएम मोदी 85 हजार करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण, राष्ट्र को समर्पण एवं शिलान्यास अहमदाबाद से करने जा रहे हैं। कहा कि पहली बार लगभग 6000 परियोजनाओं का लोकार्पण, राष्ट्र को समर्पण एवं शिलान्यास एक साथ किया जा रहा है जो एक विश्व रिकॉर्ड है। इसके तहत 10 जोड़ी वंदे भारत ट्रेनों का भी शुभारंभ एवं चार का विस्तार किया जा रहा है। इसमें गोरखपुर वंदे भारत का विस्तार प्रयागराज जंक्शन तक होना है। जीएम ने बताया कि वंदे भारत शुरू होने से प्रयागराज से लखनऊ मात्र तीन घंटे में पहुंचा जा सकेगा। प्रयागराज से लखनऊ के बीच इसका ठहराव रायबरेली स्टेशन पर भी दोनों ओर से होगा।

एनसीआर में तीन स्टेशनों पर खुलेंगे जनऔषधि केंद्र : जीएम ने बताया कि पीएम द्वारा मंगलवार को आगरा कैंट, झांसी एवं मथुरा जंक्शन पर तीन जन औषधि केंद्र का भी उद्घाटन किया जाएगा। इसके अलावा ह्वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (ओएसओपी) के 1500 स्टॉल का लोकार्पण होना है। इसमें एनसीआर 57 ओएसओपी के स्टॉल रहेंगे।

एनसीआर से पहली बार शुरू होंगी दो वंदे भारत : एनसीआर के किसी भी स्टेशन से अभी वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत नहीं होती है लेकिन 12 मार्च से यहां प्रयागराज जंक्शन से गोरखपुर और खजुराहो से हजरत निजामुद्दीन के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू हो जाएगी। अभी प्रदेश में जो वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं या यहां से गुजर रही हैं उसमें वाराणसी-नई दिल्ली के बीच दो, रानी कमलापति से नई दिल्ली, देहरादून से आनंद विहार, अयोध्या से आनंद विहार और गोरखपुर से लखनऊ शामिल है, लेकिन 12 मार्च से प्रदेश में लखनऊ से देहरादून, रांची से वाराणसी, खजराहो से हजरत निजामुद्दीन, पटना से लखनऊ भी इस सूची में शामिल हो जाएंगी।

जिला बदर हुआ तो जमानत तोड़वा कर जेल चला गया माइकल

पुलिस ने घर के बाहर बजवाई थी डुगडुगी

प्रयागराज। कमिश्नरेट पुलिस की अपराधियों पर शिकंजा कसने की मुहिम का असर दिखने लगा है। ऐसे ही एक मामले में जिला बदर की कार्रवाई किए जाने के बाद इविवि छात्रसंघ का पूर्व महामंत्री अभिषेक सिंह माइकल जमानत तोड़वाकर पुराने मुकदमे में जेल चला गया। इससे कुछ दिनों पहले ही पुलिस ने उसके सलोरी स्थित आवास के बाहर डुगडुगी बजवाई थी। 22 फरवरी को माइकल के खिलाफ पुलिस आयुक्त न्यायालय ने जिला बदर की करवाई की थी। छह महीने के लिए जिला बदर किए जाने का आदेश सुनाया था। सूत्रों के अनुसार पुलिस जिला बदर किए जाने का नोटिस तामील कराने उसके सलोरी स्थित आवास पर पहुंची तो वह सामने नहीं आया। पुलिस को बताया गया कि वह घर पर नहीं है। बचने के लिए उसने नोटिस भी किसी अन्य व्यक्ति से रिसीव कराई थी। पुलिस ने उसके घर के बाहर डुगडुगी बजवाई थी। सूत्रों का कहना है कि शिकंजा कसता देख वह 2018 के एक पुराने मुकदमे में जमानत तोड़वाकर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर जेल चला गया। कमिश्नरेट पुलिस की यह कार्रवाई खासा चर्चा में है।

सीडीओ एवं उप जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। वित्तीय वर्ष -2023-24 की दिसंबर ट्रैमास की डीडीसी एवं एफएलआरसी बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट के संगम सभागार, प्रयागराज में जिला विकास अधिकारी एवं उप जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में संपन्न हुयी। बैठक में एलडीओ एवं सहायक महाप्रबंधक भारतीय रिजर्व बैंक, डीडीएम नाबार्ड श्री अनिल शर्मा, आर सेटी निदेशक आशुतोष श्रीवास्तवा, के अतिरिक्त अन्य विभाग के नोडल अधिकारी,समस्त बैंक के जिला समन्वयक एवं शाखा प्रबंधक उपस्थित थे अध्यक्ष महोदय द्वारा ऋण जमानुपात के समीक्षा के दौरान कम ऋण जमानुपत वाले बैंको को मार्च तक काम से 40 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु निर्देशित किया । सरकारी योजनाओं की समिक्षा के दौरान मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रगति के साथ दिनांक 18.03.2024 को अग्रणी जिला प्रबंधक को सूचित करने हेतु निर्देशित किया । योजना की शत-प्रतिशत की प्राप्ति एवं ऋण जमानुपात की वृद्धि हेतु बैंक को रोड मैप तैयार कर कार्य करने का निर्देश दिया गया एवं सरकारी योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों को 15 कार्य दिवस के भीतर लंबित समस्त आवेदन पत्रों के निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

युवाओं की संसद में सरकार पर हावी रहा विपक्ष

सरकार ने गिनाई उपलब्धियां, नैनी स्थित यूनाइटेड प्रौद्योगिकी संस्थान में जिलास्तरीय पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

नैनी प्रयागराज। नैनी में स्थित यूनाइटेड प्रौद्योगिकी संस्थान में आज सोमवार को जिलास्तरीय पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशन में नेहरू युवा केंद्र द्वारा आयोजित इस युवा संसद में पक्ष और विपक्ष आमने- सामने हो गया। सरकार अपनी उपलब्धियां गिनाने का प्रयास करती रही लेकिन विपक्ष विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने में लगा रहा, ऐसे में विपक्ष हावी दिखा। जिला युवा अधिकारी जागृति पांडेय की निगरानी में आयोजित इस सदन में जमकर हंगामा हुआ। पक्ष-विपक्ष एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाती रही।युवा प्रधानमंत्री की भूमिका में दिखीं सपना साहू । सदन में युवा प्रधानमंत्री कौड़िहार की सपना साहू रहीं। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री का पदभार चाका के निर्मलकांत पांडेय ने संभाला। विपक्ष के नेता के रूप में उन्नति बंसल ने सरकार पर जमकर हल्ला बोला। स्पीकर करिश्मा वासुदेव के नेतृत्व में पक्ष विपक्ष के बीच विभिन्न मुद्दों पर पूरे जोश में चर्चा सत्र चलाया गया। इस संसद में प्रयागराज के विभिन्न अंचलों से प्रतिभाग कर रहे युवाओं ने विभिन्न मंत्रालयों के मंत्री पद, विपक्ष का नेता तथा सांसद पद को संभाला ।

भारत को विश्वगुरु बनाने पर फोकस : मुख्य अतिथि के रूप में करछना के विधायक पीयूष रंजन निषाद तथा प्रयागराज के युवा मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार व यूनाइटेड ग्रुप के चेयरमैन सतपाल गुलाटी रहे। मुख्य अतिथि ने युवाओं को विकसित भारत को एक विश्वगुरु के रूप में स्थापित करने का आह्वान किया। विजय पुरस्वामी उपस्थित रहे। मंच का संचालन नेहरू युवा केंद्र के युवा स्वयं सेवक अमरेश दूबे ने किया।इसमें नारीशक्ति, जल संरक्षण, वोकल फॉर लोकल, नया भारत के बारे में संस्थान के मैनेजमेंट कैंपस के प्राचार्य डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी, शगुफ्ता अली, लक्ष्मी नारायण डिग्री कॉलेज सिरसा के प्रोफेसर सचिदानंद त्रिपाठी, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर अरविंद कुमार मिश्र द्वारा युवाओं को बताया गया।

प्रतिभागियों को सीडीओ ने दिया ट्रॉफी : प्रमुख भूमिका में रहे युवा केंद्रीय मंत्रियों तथा सांसदों को ट्रॉफी, पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र वितरण मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार द्वारा किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में नेहरू युवा केंद्र के लेखाकार अदनान खान प्रशिक्षक राम अवध कुशवाहा, स्वयंसेवक अमन कुमार तथा यूनाइटेड मैनेजमेंट कॉलेज के स्टाफ तथा 10 सदस्यीय युवाओं की कोर टीम ने प्रमुख भूमिका निभाई।

ट्रिपलआईटी में गोली ही लगी थी बीटेक छात्र को, मेडिकल परीक्षण में हुई पुष्टि

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। झलवा स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में शनिवार को बीटेक छात्र गोली लगने से ही जख्मी हुआ था। मेडिकल परीक्षण में इसकी पुष्टि हुई है। हालांकि, पुलिस गोली लगने की जानकारी से रविवार को भी इन्कार करती रही। इस मामले में कोई रिपोर्ट नहीं दर्ज हुई। पुलिस का तर्क है कि कोई तहरीर नहीं मिली है। उधर, घायल छात्र का एसआरएन अस्पताल में दूसरे दिन भी इलाज जारी रहा।घायल छात्र अनिकेत जाट (20) जयपुर का रहने वाला है। वह ट्रिपलआईटी, जबलपुर का छात्र है और शनिवार दोपहर जख्मी हुआ था। चर्चा थी कि उसे गोली लगी। सूत्रों का कहना है कि मेडिकल जांच में यह स्पष्ट हो गया कि उसकी दाहिने जांघ में गोली लगी थी। ऑपरेशन कर डॉक्टरों ने गोली बाहर निकाल दी है। हालांकि, पुलिस गोली लगने की जानकारी से दूसरे दिन भी इन्कार करती रही। इंस्पेक्टर अरुण कुमार सिंह यही कहते रहे कि अभी स्पष्ट नहीं है कि छात्र कैसे जख्मी हुआ। जख्म फायर आर्म इंजरी का है या किसी अन्य चीज से, इसका भी पता नहीं चल सका है। वह तहरीर मिलने की बात से भी इन्कार करते रहे। उनका कहना है कि फिलहाल न तो संस्थान की ओर से कोई तहरीर मिली है और न ही घायल छात्र ने कोई शिकायत की।

छात्र बोला- नहीं पता कैसे लगी चोट : उधर, एसआरएन अस्पताल में भर्ती छात्र भी यही कहता रहा कि उसे नहीं पता कि चोट कैसे लगी। उसने सिर्फ इतना बताया कि सूरत और वड़ोदरा की टीम के बीच वॉलीबॉल मैच चल रहा था। अन्य छात्रों के साथ वह भी मैच देख रहा था। तभी उसे चोट लग गई। उसने बताया कि वह बीटेक तृतीय वर्ष का छात्र है। उसके पिता का नाम गोवर्धन है।

दो बाइको में आमने-सामने टक्कर, एक की मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। -थाना बहरिया के चैकी सिकंदरा अन्तर्गत रविवार शाम दो बाइक के आमने-सामने टक्कर हो गयी जिसमें एक वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार फतेहबहादुर सिंह उम्र करीब 60 वर्ष निवासी एतमातपुर उर्फ मिश्रापुर थाना फूलपुर व रामसुमेर मौर्य कपुरी गोदाम थाना सोरांव बाइक द्वारा फूलपुर से सिकंदरा की ओर किसी काम से आ रहे थे। जैसे ही ये लोग वीरभानपुर चैराहे के पास पहुंचे ही थे कि अचानक सिकंदरा की ओर से फूलपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार अज्ञात बाइक सवार नें राम सुमेर की बाइक में सामने से जोर टक्कर मार दी । जिसके चलते यह लोग पक्की सड़क पर गिर गये और बाइक पर बैठे फतेबहादुर के सिर में गम्भीर चोट आयी व बाइक चला रहे रामसुमेर को भी गम्भीर चोट लग गयी। टक्कर मारनें वाला बाइक सवार फरार हो गया। ग्रामिणों नें 108 डायल कर दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहरिया भेजा। जहां उपस्थित डाक्टरों नें परिक्षण के बाद फतेबहादुर सिंह को मृत्यु घोषित कर दिया। जबकि बाइक चला रहे रामसुमेर का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है । देर रात बहरिया पुलिस नें शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। फरार अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया।

युवक को अधमरा छोड़ बाइक लेकर भागे

प्रयागराज। थाना बहरिया के सिकंदरा चैकी अन्तर्गत एक युवक को कुछ लोगों नें लात घूसों से जमकर पीट कर अधमरा करके सड़के के किनारे गड्ढे में छोड़ बाइक लेकर भाग गये । जानकारी के अनुसार प्रमोद श्रीवास्तव निवासी कनेहटी शुक्रवार को शाम करीब सात बजे घर से अपनें खेत की ओर जा रहा था की रास्ते में ही गांव के अविनाश कुमार और अरविन्द कुमार व चार अज्ञात लोग किसी बात को लेकर प्रमोद कुमार को भद्दी-भद्दी गाली देनें लगे जिसका विरोध करनें पर उक्त लोगों नें प्रमोद को लात घूसों से जमकर पीट दिया जब वह जमीन पर गिर गया । तो बगल में शराब की दुकान से शराब विक्रेता विपिन अन्य एक विक्रेता आये और लात घूसों से मार कर अधमरा करते हुये बाइक की चाभी छीन कर प्रमोद कुमार को सड़क के किनारे गड्ढे ढकेल कर बाइक लेकर भाग गये। शनिवार भोर करीब चर बजे प्रमोद को जब होश आया तो वह घर पहुंचकर घटना की जानकारी परिजनों की दी । प्रमोद की हालात देख परिजन उसे इलाज हेतु एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया । इलाज के करवाने के बाद प्रमोद नें अपनें परिजनों के साथ बहरिया थानें पहुंच कर उक्त घटना की लिखित तहरीर दी।

क्षमता संवर्धन तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

सोरांव। बीआरसी सोरांव के सभागार में प्री प्राइमरी शिक्षा से संबंधित 52 सप्ताह की गतिविधि आधारित कैलेंडर मैनुअल पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के क्षमता संवर्धन हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण में खंड शिक्षा अधिकारी सोरांव शैलपति यादव तथा एआरपी सोरांव शशिकांत मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया। प्रशिक्षण में संदर्भदाता के रूप में शबाना कौकुब, कंजिका पांडेय, सरोज तथा प्रज्ञा यादव सम्मिलित हुईं।

भारत स्काउट गाइड ज्ञान प्रतियोगिता 2023-24 का किया गया आयोजन

जनपद के 6 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित हुई परीक्षा

प्रयागराज। सोमवार को प्रादेशिक मुख्यालय के निर्देशन एवं जिला मुख्य आयुक्त मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज के कुशल मार्गदर्शन में भारत स्काउट गाइड ज्ञान प्रतियोगिता 2023- 24 का आयोजन जनपद के कुल 6 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित किया जा रहा है जो निम्नवत हैं।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कटरा प्रयागराज में नगर प्रतिभागी संख्या 80, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मुरारी करछना में 62 प्रतिभागी, बाला प्रसाद कुशवाहा इंटर कॉलेज बलरामपुर बरेठी प्रयागराज प्रतिभागी 28, अंसार गर्ल्स इंटर कॉलेज 39 प्रतिभागी 5.मां वैष्णो देवी इंटर कॉलेज प्रतिभागी 122, आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय सराय पिता शाहपुर प्रतिभागी 512, इस प्रकार जनपद प्रयागराज में कुल 34 कब, 34 बुलबुल, 277 स्काउट, 488 गाइड, 6 रोवर ,13 रेंजर कुल 852 की प्रतिभागिता इन छह परीक्षा केदो पर की जा रही है। 6सेंटर में निम्नलिखित नोडल केंद्र प्रभारी बनाए गए हैं जिनकी देखरेख में यह परीक्षा संपादित हो रही है। श्री प्रेम नारायण सिंह श्री सुरेंद्र प्रताप कुशवाहा श्री तीर्थ राज पटेल नवीन पांडेय श्री वेद प्रकाश भगत श्रीमती गायत्री यादव श्री दिलीप कुमार डॉ आकांक्षा केसरी, सभी कार्यक्रमों की प्रतियोगिता की पर्यवेक्षक श्री वेद प्रकाश भगत जिला संगठन कमिश्नर स्काउट द्वारा किया जा रहा है संचालन की व्यवस्था श्री कमलेश द्विवेदी जिला सचिव प्रयागराज एवं सहायक प्रदेशिक संगठन कमिश्नर स्काउट प्रयागराज मंडल प्रयागराज के द्वारा किया जा रहा है।

संस्कार युक्त शिक्षा ही देश को आदर्श नागरिक दे सकती है: अपर जिला जज

सनराइज कान्वेन्ट व पब्लिक इंटर कालेज का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। सनराइज कान्वेंट एवं पब्लिक इंटर कॉलेज खरगीपुर मांधाता के वार्षिकोत्सव में विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों ने प्रहसन के माध्यम से जल संरक्षण, पर्यावरण की सुरक्षा, एवं ध्वनि प्रदूषण आदि के प्रति उपस्थित जन समुदाय को जागरूक करते हुए बताया कि स्वस्थ जीवन के लिए यह कितना आवश्यक है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि

वार्षिकोत्सव में बोलते अपर जिला जज नीरज कुमार बरनवाल।

उपस्थित अपर जिला जज नीरज कुमार बरनवाल ने लोगों को प्राधिकरण के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि समाज के गरीब व असहाय लोगों को न्याय मिलने में आसानी हो इसलिए कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है उन्होंने कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे विद्यालय के बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्कार युक्त शिक्षा ही देश को आदर्श नागरिक दे सकती है। अभिभावकों को अपने बच्चों के भविष्य की चिंता करते हुए समय निकाल कर उनका सहयोग करना चाहिए।

वार्षिकोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद एडवोकेट विश्वनाथ त्रिपाठी तथा देवेश चंद्र त्रिपाठी ने विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता पर विस्तृत जानकारी दिया। कार्यक्रम में पीसीएस अधिकारी बने शिवम द्विवेदी, निर्भय द्विवेदी व उनके भाई ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझाया। कॉलेज के प्रबंधक सूर्य कुमार शुक्ला एडवोकेट ने विद्यालय की प्रगति के संदर्भ में अपने विचार साझा किया। इस मौके पर कॉलेज के प्रिंसिपल जगदीश बहादुर सिंह राजकुमार शुक्ला सुरेश नारायण त्रिपाठी प्रधान संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, एडवोकेट जैनुल हसन, पूर्व प्रधान उमेश सिंह विनोद कुमार सिंह अरुण कुमार शुक्ला सहित कई गणमान्य लोगों ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए अपने विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीडब्लूसी मेंबर वी. के. सिंह ने किया।

लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटकर संगठन कों करें दुरुस्तः डा0 लालजी

इंदिरा भवन पर लोकसभा चुनावों की तैयारियों की हुई समीक्षा

इंदिरा भवन पर आयोजित बैठक में बोलते जिलाध्यक्ष डा0 लालजी।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आज ब्लॉक अध्यक्षों की एक बैठक जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी की अध्यक्षता में इंदिरा भवन पर सम्पन्न हुई। बैठक में आसन्न लोकसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की गई। ब्लॉक अध्यक्षों को अपने अधीनस्थ न्यायपंचायत व बूथ स्तर के संगठन को तैयार रहने को कहा गया। संचालन नगर जिला उपाध्यक्ष डा0 वी0के0सिंह ने किया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ0लालजी त्रिपाठी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को भारी मतों से जिताने हेतु सभी साथियों को कमर कस लेनी होगी, और संगठन को चुस्त दुरुस्त कर तैयार रहना होगा। बैठक में नगर अध्यक्ष इरफान अली, कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी, राम रतन तिवारी, आशुतोष तिवारी, अशोक सिंह, मो0 यूसुफ, चरन सिंह यादव, बैजनाथ यादव, मो0 असलम, विवेक पांडेय, मेराज अंसारी, बृजेश पाण्डेय, आशीष तिवारी, सुनीता सिंह पटेल, कृष्ण कुमार मिश्र, लल्लू राम प्रजापति, उत्सव भूषण पाल, अवधराज यादव, अश्वनी उपाध्याय, रामधन यादव सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

स्कूल की जमीन पर बने घर को पुलिस ने ढहाया

अतिक्रमण हटाने के लिए राजस्व विभाग ने की बड़ी कार्यवाई, ग्राम प्रधान ने एसडीएम से की थी शिकायत

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। ग्राम प्रधान की शिकायत पर जागे राजस्व विभाग ने उगापुर गांव मे बड़ी कार्यवाई करते हुए प्राथमिक स्कूल की जमीन मे बने घर को जमींदोज कर दिया। इसके साथ तालाब जे संरक्षण के लिए जेसीबी मशीन से खुदाई करवाकर तालाब बचाने के लिए बड़ी कार्यवाई की है।

एसडीएम कुंडा को दिये शिकायती पत्र देकर गांव के प्रधान ने स्कूल की जमीन मे बनाये गये कच्चे मकान को हटाने के लिए गुहार लगाई थी। एसडीएम भरत राम ने हलका लेखपाल को जमीन की पैमाइश करने का निर्देश दिया। हलका लेखपाल ने तालाब और

स्कूल की जमीन पर बने घर को ढहाया गया।

स्कूल की रक्षित जमीन की नाप किया तो स्कूल के सामने बना मकान स्कूल की जमीन मे निकला। वहीं तालाब की जमीन पर भी कब्जे की शिकायत सही मिली। एसडीएम के निर्देश पर आज उगापुर मे लेखपाल जेसीबी लेकर गांव पहुचे। पहले स्कूल के सामने बने अवैध मकान को गिराया और फिर स्कूल के सामने स्थित तालाब की सीमाबंदी करवा कर उसके संरक्षण के लिए कार्यवाई किया। राजस्व विभाग की इस कार्यवाई से मौके पर हड़कंप मच गया।

शहीद प्रकाश के अंतिम दर्शन को उमड़ा गांव, सैनिकों ने दी सलामी

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में राजकीय सम्मान के साथ हुआ शहीद का अंतिम संस्कार

भंगवा के रहने वाला प्रकाश नारायण सीआरपीएफ में था सहायक उप निरीक्षक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। छत्तीसगढ़ में तैनाती के दौरान शहीद हुए सीआरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक प्रकाश नारायण का शव घर भंगवा में पहुंचते ही पूरा गांव उसके अंतिम दर्शन को उमड़ पड़ा। सोमवार को प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शहीद प्रकाश का अन्तिम संस्कार उसके ही गांव में पूरे राजकीय सम्मान से हुआ। इस दौरान भारी पुलिस बल और लोगों की भीड़ जमा

सहायक उप निरीक्षक को सलामी देते सैनिक।

रही। सीआरपीएफ के जवानों ने सलामी दी। प्रकाश अपने पीछे पूरा परिवार छोड़ गया है। उसके दो पुत्र हैं। सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया था।

बताया जाता है कि भंगवा गांव का प्रकाश नारायण सीआरपीएफ में जवान(48) था। करीब 25 साल पहले वह सेना में भर्ती हुआ था। दो दिन पहले छत्तीसगढ़ में वह शहीद हो गया । रविवार को देर शाम उसका शव उसके घर भंगवा पहुंचा। दूसरे दिन उसका अंतिम संस्कार हुआ। इस दौरान सांसद संगम लाल गुप्ता, सदर विधायक राजेंद्र मौर्य, कांग्रेस नेता नीरज त्रिपाठी, सपा नेता सुरेश यादव, प्रधान रोहित, रमेश मौर्य समेत कई संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि दी। शहीद हुए प्रकाश नारायण का शव तिरंगे में लिपटा हुआ ताबूत के अन्दर डाले में रखा था। उसके पीछे सैकड़ों की संख्या में भीड़ चल रही थी। जो शहीद प्रकाश नारायण अमर रहे का नारा लगाती हुई चल रही थी। पिता के शव को कंधा दे रहे प्रकाश के पुत्र अनूप और अनुराग गश खाकर गिर पड़ रहे थे। सांसद संगम लाल और विधायक राजेंद्र मौर्य, नीरज तिवारी, एसडीएम सदर पूरे समय परिजनों को ढाढस बंधाते रहे।

शिव ध्वजारोहण करते भाई-बहन।

88वीं शिव जयंती महोत्सव पर ब्रह्माकुमारीज ने किया शिव ध्वजारोहण, सैकड़ों भाई बहन शामिल हुए

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि के उपलक्ष में ब्रह्माकुमारी प्रतापगढ़ प्रभु उपहार भवन में शिव ध्वज फहराकर सभी को संकल्प कराया गया कि अपने जीवन का एक अवगुण परमात्मा को अर्पण कर दे। इस महोत्सव के दौरान मौजूद प्रयागराज से आई ब्रह्मा कुमारी बहाने प्रतापगढ़ की संचालिका बीके हेमा साथ ही अन्य भी के भाई-बहन ने मौजूद।

साथ ही सभी को राजयोग ध्यान भी कराया गया ।ब्रह्मा कुमारीज में मुख्य रूप से परमपिता शिव परमात्मा की आराधना ध्यान किया जाता है, ब्रह्माकुमारीज की फिलासफी में निराकार शिव परमात्मा को सर्वोच्च माना गया है। संस्थान से जुड़ने वाले साधक राजयोग ध्यान के जरिए परमात्मा शिव का ध्यान करते हैं सबसे बड़ी बात राजयोग ध्यान खुली आंखों से किया जाता है। राजयोग परमात्मा से संवाद करने की एक कला और विधि है।

भारत के इतिहास को जनमानस तक पहुंचाने की आवश्यकता

एमडीपीजी कालेज में प्रांतीय कोर कमेटी की हुई बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर के मुनीश्वर दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ में इतिहास संकलन समिति काशी प्रान्त की प्रांतीय कोर कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. देवी प्रसाद सिंह ने कहा कि दीर्घकाल तक इतिहास को पूर्वाग्रह एवं तुष्टिकरण के कारण विकृत किया गया। ऐसे में जनमानस को भारतीय चैतन्य के प्रकाश में लिखित गौरवशाली इतिहास से अवगत कराने की आवश्यकता है। इतिहास बोध के माध्यम से अपने धर्म, संस्कृति तथा राष्ट्र के प्रति श्रद्धा भाव मुखरित करने हेतु कार्यक्रमों के आयोजन किए जाय।

बैठक के प्रथम सत्र में

प्रांतीय कोर कमेटी की बैठक में मौजूद अतिथिगण।

विश्वविद्यालय समितियो के गठन, दायित्व निर्धारण, भदोही और अमेठी की जिला समितियो के गठन का दायित्व निर्धारण, 13-14 अप्रैल 2024 को नई दिल्ली में प्रस्तावित राष्ट्रीय युवा इतिहासकार परिषद के अधिवेशन में प्रतिभाग करने, इतिहास दिवस का आयोजन करने, जनपदीय संगोष्ठी के आयोजन से संबंधित बिन्दुओं पर विचार किया गया। द्वितीय सत्र में इतिहास ज्ञान प्रतियोगिता के अन्तर्गत पूरे प्रान्त के 12 ज़िलों में सम्पन्न प्रतियोगिता की समीक्षा पर विचार किया गया जिसमें सर्वाधिक संस्थाओं में व्यक्तिगत रूप से इतिहास ज्ञान प्रतियोगिता सम्पन्न कराने लिए वाराणसी जनपद के इकाई अध्यक्ष डॉ हेमन्त सिंह तथा प्रतापगढ़ के कार्यकारीं महामंत्री राजेश मिश्र को एवं नेतृत्वगत सर्वाधिक संस्थाओं में योगदान के लिए काशी प्रांत के महासचिव प्रो. प्रशांत कश्यप को सम्मानित किया गया। महासचिव प्रो. प्रशांत कश्यप ने जनपद अनुसार वित्तीय विवरण प्रस्तुत किया। जबकि प्रान्तीय उपाध्यक्ष एवं इतिहास ज्ञान प्रतियोगिता के प्रान्तीय संयोजक प्रो. पीयूष कान्त शर्मा ने इतिहास ज्ञान प्रतियोगिता के चित्रगत प्रमाणों का विवरण प्रस्तुत किया।बैठक की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ इतिहासकार परिषद काशी प्रान्त के सचिव प्रो. बृजभान सिंह ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यो से अपने दायित्व का भलीभांति निर्वाह करने का आहवान किया। बैठक के अन्त में प्रतापगढ़ इकाई की कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. अमृता सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में इतिहास संकलन समिति काशी प्रांत के कोषाध्यक्ष डा इन्द्र बहादुर सिंह, सचिव डा प्रवीण कुमार त्रिपाठी, चन्दौली जनपद अध्यक्ष डॉ अभिषेक कुमार पाण्डेय, युवा इतिहासकार परिषद काशी प्रांत महासचिव डा नरेन्द्र सिंह, प्रयागराज जनपद के महासचिव प्रोफेसर संतोषा कुमार, प्रतापगढ़ जनपद सचिव डॉ रवि प्रताप सिंह, कार्यकारिणी सदस्य डॉ. शैलेन्द्र त्रिपाठी, महाविद्यालय प्रभारी सुश्री मुक्ता वर्मा आदि उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं के चुनाव में समिति ने किया मतदाता सूची का सत्यापन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव को लेकर सोमवार को हुई बैठक में रणनीतिक मथन हुआ। समिति ने चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं के मतदाता सूची का सत्यापन किया है। इसके तहत पांच दर्जन से अधिक अधिवक्ताओं के मतदाता सूची में पुनरीक्षण कराये जाने पर सहमति बनी । समिति के अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शुक्ल की अध्यक्षता में हुई बैठक में आगामी तेरह मार्च को पुनरीक्षण के दायरे में आने वाले मतदाताओं को समिति की बैठक में बुलाया गया है। वही पन्द्रह मार्च को नये मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल किये जाने की भी सहमति बनी है। बैठक का संचालन महामंत्री देवी प्रसाद मिश्र ने किया। प्रवक्ता विकास मिश्र ने बताया कि पन्द्रह मार्च के बाद सदस्यता के लिए कोई आवेदन समिति स्वीकार नही करेगी। बैठक में शिवाकांत उपाध्याय , वीरेन्द्र सिंह अगई, अजय शुक्ल गुडडू, राधारमण शुक्ल, कालिका प्रसाद पाण्डेय, रामलगन यादव, टीपी यादव ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर अपने अपने सुझाव रखे।

काव्याजंलि में केसरी नन्दन के व्यक्तित्व को किया गया नमन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। वरिष्ठ साहित्यकार स्व0 केसरी नंदन शुक्ल की स्मृति में काव्य गोष्ठी का अयोजन किया गया। सांगीपुर क्षेत्र के मुरैनी गांव में काव्यांजलि में साहित्यकारों ने स्व0 केसरीनन्दन के साहित्य के क्षेत्र में योगदान पर व्यापक प्रकाश डाला। कार्यक्रम के संयोजक साहित्यकार यज्ञ नारायण सिंह ने कहा कि स्व0 केसरी नन्दन ने साहित्य लेखन के क्षेत्र में नवोदित लेखकों व कवियों को भरपूर प्रेरणा दी है। ओज कवि अंजनी अमोघ ने अपने पिता की स्मृतियों को लेकर पढ़ा- मेरी कविता के बुलंद आवाज है पिता। वही अध्यक्षीय कवि अर्जुन सिंह ने भी स्व0 शुक्ल को रचनाधर्मी के रूप में याद किया। संचालन अजीत शुक्ल ने किया। कार्यक्रम में गुरुवचन सिंह बाघ, बाबूलाल सरल, कृष्ण लाल श्रीवास्तव, राम जी मौर्य, रघुनाथ यादव, अरविंद सत्यर्थी, कलीम अहमद, राजकुमार सिंह, सुनील शर्मा आदि ने भी काव्यपाठ किया।

मतदाता सूची को तैयार करने में दिखेगी पूरी पारदार्शिता: एसडीएम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लोकसभा सामान्य निर्वाचन को लेकर तहसील सभागार में बीएलओ तथा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसडीम प्रवीण द्विवेदी ने राजनैतिक दलों की प्रतिनिधियों से मतदाता सूची के वार्ड तथा गांव वार अभियान में सहयोग मांगा।

वही एसडीएम ने बीएलओं तथा सुपरवाइजर से मतदान केन्द्रों में प्रबंधों को लेकर आख्या भी दिये जाने के निर्देश दिये। एसडीएम ने बताया कि अब तक रामपुर खास में परिवर्धन के प्राप्त उन्नीस हजार पांच सौ अटठान्वें में आवेदन में से अठारह हजार चार सौ छह स्वीकृत हुये है। वही विलोपन के तहत कुल ग्यारह हजार छह सौ अठारह स्वीकृत किये गये है। इसी तरह संशोधन में दो हजार चैरानवें के सपेक्ष अठारह सौ इक्सठ स्वीकृत तथा तिरसठ अस्वीकृत हुये है। बैठक में कांग्रेस के प्रतिनिधि ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने राजनैतिक दलों को बीएलओं तथा सुपरवाइजर की सूची उपलब्ध कराये जाने का सुझाव रखा। भाजपा के राजेश मिश्र ने छूटे नामों को बढ़ाये जाने पर जोर दिया। सपा के रामधन यादव तथा आम आदमी पार्टी के बृहस्पति पाण्डेय भी सुझाव रखे। बैठक मे तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यवृति प्रस्तुत किया। संचालन निर्वाचन पटल सहायक सुरेश यादव ने किया।

दुकान में आगजनी, हड़कम्प

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। दुकान में अचानक आग लगने से हड़कम्प मच गया। लालगंज कोतवाली के रानीगंज कैथौला बाजार में पुरानी चैकी के बगल पंजाब बीज भण्डार की दुकान है। रविवार की देर शाम दुकान संचलक राममिलन दुकान बंद करके अपने खैरपूरे छेमी चला गया। देर शाम अचानक दुकान के अंदर से धुआ देखा गया तो आस-पास के व्यापारी चीखने चिल्लाने लगे। सूचना पाकर राम मिलन भी मौके पर पहुंचा। फायर बिग्रेड और बाजार वासियों की मदद से आगजनी पर काबू पाया गया। आगजनी में दुकान में रखे सामान नष्ट हो गये।

भयहरण नाथ धाम में महाकाल महोत्सव व समीक्षा बैठक 17 को

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भय हरण नाथ धाम में 24 वें महाकाल महोत्सव व महाशिवरात्रि मेला की समीक्षा बैठक 17 मार्च को होगी। बैठक मे सभी संरक्षक सहित प्रबन्ध समिति सदस्यों तथा मंदिर व मेला व्यवस्था समितियों को आमंत्रित किया गया है।

नव भारती किसान संगठन के स्थानीय पदाधिकारी गण भी प्रतिभाग करेंगे। धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया की 17 मार्च दिन रविवार को दोपहर 12 बजे से होने वाली बैठक में मेला व महोत्सव व्यवस्था के सभी बिंदुओं पर चर्चा व संकलन करके आख्या तैयार कर सराहना व सुधार हेतु संबंधित विभाग को भेजी जायेगी। साथ ही सदस्यों व समितियों की भागीदारी की भी समीक्षा करके गुणात्मक सुधार किये जायेंगे। आगामी 25 वें महाकाल महोत्सव की हैअवधारणा व पृष्ठभूमि तय होगी। वहीं प्रति वर्ष परम्परागत रूप से धाम पर होने वाले होली उत्सव की तिथि व कार्यक्रम पर चर्चा कर निर्णय होंगे। धाम में पर्यटक सुविधा केन्द्र व किसान सहायता केंद्र के संचालन हेतु रणनीति तय होगी।

दुष्कर्म का आरोपी धराया

लालगंज, प्रतापगढ़। दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने धर दबोचा। लालगंज कोतवाली के दरोगा राजेश कुमार यादव सोमवार को फोर्स के साथ गश्त पर निकले थे। इस बीच भदारी कला के शिव बक्स का पुरवा के हनुमान मंदिर के पास पुलिया पर दुष्कर्म का आरोपी जेठवारा थाना के रायपुर खुर्द निवासी आरोपी अजय सिंह पुत्र राम सिंह पुलिस को दिख गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर न्यायालय भेजा दिया।

भंडारे में सैकड़ो भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद, भंडारे उमड़ी भीड़

पट्टी, प्रतापगढ़। महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष में रविवार की शाम पट्टी क्षेत्र के बनी तेरहमील गांव के निवासी पूर्व सदस्य,जिला पंचायत प्रतापगढ़ एवं राम प्रसाद सिंह इंटर कॉलेज के प्रबंधक इंसाफ बहादुर सिंह द्वारा हर वर्ष की तरह बाबा रामेश्वरनाथ धाम महादेव मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भंडारा चख कर पूर्ण लाभ कमाया। मंदिर में मां भगवती की पूजा अर्चना के बाद भोग लगाया और भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें देर रात तक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया इस मौके पर बालमुकुंद चैरसिया, विनोद सरोज विधायक, लाल साहब सिंह,राम अचल वर्मा, ब्लॉक प्रमुख कमलाकांत यादव, राकेश सिंह, युवा नेता शांतनु सिंह, प्रबंधक अखिलेश सिंह, दिनेश शर्मा प्रतिनिधि, पत्रकार रोहित जायसवाल, पत्रकार हौसला प्रसाद, हरिकेश सिंह, पूर्व प्रधान रुद्र प्रताप सिंह, सुरेश सिंह, रामनाथ सिंह, गौरव सिंह, आशुतोष सिंह, प्रिंस सिंह, विवेक सिंह, निर्भय सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे।

मारपीट का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। पारिवारिक रंजिश में हुई मारपीट की घटना को लेकर पीड़िता ने परिवार के दो लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। लीलापुर थाना क्षेत्र के बासूपुर गांव की नीलम पत्नी जसवत ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि बीते रविवार की शाम पारिवारिक रंजिश को लेकर परिवार के दो लोगों ने उसे मारापीटा। शोर गुल सुनकर बीच बचाव को पहुंचे उसके पति को भी मारपीट कर चुटहिल कर दिया। एसओ नरेन्द्र सिंह का कहना है कि तहरीर मिली जांच के बाद उचित कार्यवाई की जायेगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ बैठक कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार राय द्वारा उदयन सभागार में आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को निष्पक्ष,पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न कराने के लिए सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ बैठक की गई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय एवं कम्यूनिकेशन प्लान बना लिया जाय। इसके साथ ही उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं आदि का सत्यापन कर आख्या सम्बन्धित उप जिलाधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेटों को उनके कार्यो/दायित्वों यथा-पोलिंग पार्टी रवानगी के दिन एवं मतदान के दिन आदि तथा वीटीआर एप्प की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि निर्वाचन निष्पक्ष,पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न करायी जाय, किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाय। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. रवि किशोर त्रिवेदी,अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार गोंड व प्रबुद्ध सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर डीएम ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार राय द्वारा कार्यालय कक्ष में आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को निष्पक्ष,पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए प्रभारी अधिकारियों-प्रेक्षक व्यवस्था, बैलेट पेपर व्यवस्था,पोस्टल बैलेट पेपर व्यवस्था,मीडिया एवं पेड न्यूज तथा निर्वाचन व्यय लेखा के साथ बैठक की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी प्रभारी अधिकारियों से अब तक की गई कार्यवाही की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि अपने से सम्बन्धित कार्यों की विधिवत जानकारी रखें तथा निर्वाचन को गम्भीरता से लिया जाय, किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाय। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. रवि किशोर त्रिवेदी, अपर जिलाधिकारी प्रबुद्ध सिंह एवं अरूण कुमार गोंड सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

न्यूज झरोखा

रेलवे ट्रैक पर आए युवक की दर्दनाक मौत

अझुवा कौशांबी। सैनी कोतवाली के सिराथू पुलिस चौकी के पीछे डीफसी रेल लाइन पर एक युवक की दर्दनाक मौत हुई है युवक की शिनाख्त पैंसा थाना अंतर्गत रमसाही पुर गांव निवासी सूरज कुमार निर्मल उम्र 19 वर्ष पुत्र सुशील कुमार के रूप में हुई है पुलिस की सूचना पर पहुंचे मृतक के परिजनों ने बताया युवक आज सोमवार सुबह 10 बजे बिना घर में किसी को बताए आया था ।सिराथू चौकी पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।परिजन हताश और निराश बताए जाते हैं।

पीएम द्वारा लखपति दीदियों के साथ किया गया संवाद

कौशाम्बी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लखपति दीदियों के साथ संवाद किया गया, इसका सजीव प्रसारण एनआईसी कौशाम्बी में किया गया तथा उपस्थित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी एवं उपायुक्त एनआरएलएम सुखराज बन्धु उपस्थित रहें।

होमगार्ड की शिकायत पर कलेक्ट्रेट नाजिर सुभाष जायसवाल को फटकार

कौशाम्बी। जिले के कलेक्ट्रेट में तैनात नाजिर सुभाष जायसवाल की मनमानी से परेशान कलेक्ट्रेट में तैनात होमगार्डों ने डीएम से शिकायत की है। पीड़ित होमगार्डों ने डीएम राजेश कुमार रॉय को शिकायत करते हुए बताया कि जब से नाजिर सुभाष जायसवाल बने है तभी से उनका होमगार्डो के प्रति रवैया ठीक नही है,वह आए दिन होमगार्डों को परेशान करते है,वह उनकी ड्यूटी रजिस्टर अपने पास आलमारी में रख लेते है और होमगार्डों के ड्यूटी पर आने के बाद हस्ताक्षर करने के लिए 11 बजे के बाद बुलाते है जिससे उन्हें ड्यूटी करने में समस्या होती है। कुछ कहने पर नाजिर उनसे अभद्रता करते है ।वही एक दूसरे होमगार्ड ने डीएम से बताया कि उसकी बेटी की शादी थी,लेकिन नाजिर ने उन्हें छुट्टी नही दी और कमांडेंट के पास भेजा जहा जाने पर कमांडेंट ने पुनः नाजिर को ही छुट्टी देने के लिए अधिकृत बताया,दोबारा जाने के बाद नाजिर ने उसे अभद्रता की जिसके बाद एडीएम से कहने के बाद उसे छुट्टी मिली,लेकिन छुट्टी से वापस आने के बाद देखा कि रजिस्टर में दो दिन की अप्सेंट लगा दिया। होमगार्डों की शिकायत के बाद डीएम राजेश कुमार रॉय ने नाजिर सुभाष जायसवाल को कार्यालय में बुलाया और फटकार लगाई कि दोबारा ऐसा न हो।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद संपन्न हुआ विदाई समारोह

कौशांबी। बाल गोविन्द विद्याश्रम भरवारी में भव्य तरीके से विदाई समारोह आयोजन हुआ है। विद्यालय परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन के पश्चात विदाई समारोह संपन्न हुआ। सर्वप्रथम उपस्थित छात्र/ छात्राओं ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर वंदना स्तुति की उसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ। कार्यक्रम में पूर्व के सभी बच्चों के माता-पिता एवं छात्र/छात्रा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक प्रवेश कुमार केसरवानी ने छात्र/छात्राओं को पुरुष्कृत कर शुभकामनाएं दी। विदाई समारोह कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य मनराखन सिंह, ज्ञान प्रकाश शर्मा, पूजा, सोनी, आरती, शैलेन्द्र तिवारी, अमर सिंह सहित आदि अध्यापकगण एवं छात्र/छात्रा के अभिभावकगण मौजूद रहे।

भंडारे में दावत खाने गए युवक की मोटर साइकिल चोरी

महगांव कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र अंतर्गत जीवनगंज गांव के रहने वाले राकेश कुमार पुत्र दशरथ लाल रविवार को अपनी हीरो स्पेलन्डर प्लस मोटर साइकिल जिसका नम्बर वढ 73 7378 पर सवार होकर मूरतगंज पक्का तालाब के पास भंडारे में दावत खाने गया था जहां से उसकी मोटर साइकिल चोरी हो गई। काफी खोजबीन करने के बाद जब मोटर साइकिल का कही पाता नही चला तो राकेश कुमार ने संदीपन घाट थाने में इसकी सूचना दी है पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

युवक को मार पीट कर छीन ली बाइक

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत चरवा के पूरब थोक के रहने वाले नितेश कुमार केसरवानी पुत्र बिरेन्द्र कुमार केसरवानी ने चरवा थाना प्रभारी को लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह अपनी बेटी को दवाई करवा कर घर वापस आ रहा था। जैसे ही गांव के राम जानकी मंदिर के पास पहुंचा नितेश के गांव के ही रहने वाले रवि प्रजापति पुत्र अशोक कुमार नितेश को रोक दिया और उसकी गाड़ी की चाबी निकाल कर कहने लगा कि मेरे नमकीन का पैसा दे दो नितेश ने कहा कि दुकान पर आकर हिसाब कर लो गली में हिसाब ना करें इतनी सी बात को लेकर रवि ने नितेश को भद्दी भद्दी गाली गलौज देते हुए । नितेश की गर्दन में हाथ लगाकर लात घूसा से बुरी तरह से मारने लगा और नितेश की मोटरसाइकिल छीन करके जान से मार डालने की धमकी देते हुए भाग गया पीड़ित की सूचना पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच पड़ताल में जुड़ गई है।

लटकती विद्युत तारो एवम टूटे हुए खम्बो को दुरूस्त करने पहुंचे विद्युत कर्मी

अखंड भारत संदेश ने इस खबर को किया था प्रकाशित, खबर को संज्ञान लेते जे ई एवम एस डी ओ युद्ध स्तर पर शुरू किए कार्य

भरवारी कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी अंतर्गत वार्ड नंबर 23 के पार्षद मोहम्मद हुसैन ने अपने वार्ड की जनता की परेशानी को दृष्टिगत रखते हुए मोहल्ले में विद्युत तारो की लटकती मक्कड़ जाल एवम टूटे हुए खम्बो को ठीक करने की मांग रक्खी थी लटकते विद्युत तार और टूटे खंभों को ठीक करने की खबर अखंड भारत संदेश समाचार पत्र ने भी प्रकाशित की थी लटकती विद्युत तार और टूटे खम्भे से लोगो का जीवन जोखिम से भरा हुआ था वही लोगो तक पानी भी नही पहुंच पा रहा था ' दहशत तो इतनी थी कि लोग विद्युत तारो को जमीन पर खड़े होकर हाथ से पकड़ सकते थे जिसकी शिकायत पार्षद मोहम्मद हुसैन ने काफी बार किया परंतु जब अखण्ड भारत संदेश ने सम्मस्य को प्रमुखता से प्रकाशित किया तब विभाग की कुम्भकर्णीय नींद खुली ' उसके बाद विभाग के जे ई एवम एस डी ओ ने तत्काल विद्युत विभाग की लापरवाही चुस्त दुरुस्त करने के लिऐ अपनी टीम भेजकर तारो सहित खम्बो को भी नया लगवा कर जटिल समस्या को दूर किया इस बीच पार्षद मोहम्मद हुसैन ने अखंड भारत संदेश अखबार को समस्यागत खबरों को प्रकाशित करने के लिऐ धन्यवाद दिया।

बिजली विभाग की मांगो को लेकर सकिपा का प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

कलेक्ट्रेट का घेराव कर ऊर्जा मंत्री को भेजा ज्ञापन, बकायेदार किसान उपभोक्ताओं का बकाया बिल हो माफ, जमा कराया गया बिजली बिल ब्याज सहित किया जाए वापस

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान मे सोमवार 11 मार्च को किसान नेता अजय सोनी की अगुवाई में तमाम किसानो एवं पार्टी कार्यकताओं ने जिला कलक्ट्रेट मंझनपुर में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन, नारेबाजी के बाद प्रदेश के ऊर्जा मंत्री के नाम संबोधित एक पांच सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी कौशांबी राजेश रॉय को सौपा। सौंपे गए ज्ञापन में बकायेदार किसानो के बकाया बिजली बिल माफ करने और सभी किसानो को मुफ्त बिजली योजना का लाभ दिए जाने की मांग की गई। साथ ही एक अप्रैल 2023 से अब तक जमा कराए गए बिजली बिल को ब्याज सहित किसानो को विद्युत विभाग द्वारा वापस किए जाने जैसी मांगे शामिल थीं। ज्ञापन स्वीकार करते हुए जिलाधिकारी महोदय ने ज्ञापन ऊर्जा मंत्री तक पहुंचाने एवं अपने स्तर पर समुचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। सोमवार 11 मार्च को समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान मे पार्टी नेता अजय सोनी की अगुवाई पार्टी के तमाम कार्यकर्ता पार्टी के जिला कार्यालय मंझनपुर में एकजुट हुए। इसके बाद अजय सोनी की अध्यक्षता में कार्यालय में बैठक हुई। बैठक में बोलते हुए अजय सोनी ने कहा कि बकायेदार किसान उपभोक्ताओं का बकाया बिल माफ होना चाहिए साथ ही सभी किसान उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली योजना का लाभ मिलना चाहिए। आगे कहा कि एक अप्रैल 2023 के आगे से आज तक विद्युत विभाग द्वारा किसानों से जमा कराया गया विद्युत बिल ब्याज सहित किसानों को वापस किया जाए। इसके बाद तमाम पार्टी कार्यकताओं एवं किसानो के साथ अजय सोनी ने जिला कलेक्ट्रेट का घेराव कर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी कौशांबी राजेश रॉय को सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में बकायेदार किसानो का बकाया बिल माफ करने, एक अप्रैल 2023 से अब तक जमा कराया गया बिजली बिल ब्याज सहित किसानो को वापस करने, किसी भी किसान का कनेक्शन न काटे जाने एवं काटे गए कनेक्शन का कनेक्शन तत्काल जोड़े जाने सहित कई मांगे शामिल थीं। इस अवसर पर प्रेमचंद्र केसरवानी, मुन्ना लाल तिवारी, सुरजीत वर्मा, तेज बहादुर पटेल, भैरवदीन गौतम, राजकुमार साहू, परिहार लोधी, बद्री प्रसाद प्रजापति, मो सारुख, जयलता त्रिपाठी, रश्मि प्रजापति आदि मौजूद रहे।

समाज को आगे बढ़ाने में महिलाएं दे सकती हैं अहम योगदान

भवंस मेहता महाविद्यालय, भरवारी में राष्ट्रीय सेवा योजना की सात दिवसीय विशेष शिविर

भरवारी कौशाम्बी। भवंस मेहता महाविद्यालय, भरवारी में राष्ट्रीय सेवा योजना की सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन का प्रथम -सत्र 'महिला सशक्तिकरण और पारिवारिक संवेदना' तथा द्वितीय सत्र 'शिक्षा और स्वास्थ्य ' के लिए समर्पित रहा। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रत्येक दिन की भांति परिसर की साफ सफाई करके किया गया उसके पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा लक्ष्य गीत गाकर के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। प्रथम सत्र को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० धर्मेन्द्र कुमार अग्रहरि ने संबोधित करते हुए सर्वप्रथम सशक्तिकरण के तात्पर्य को व्याख्यायित करते हुए कहा कि हमारे समाज में महिलाओं को अवसर नहीं प्रदान किए जाते है, हमारे समाज की मानसिकता में पितृ सतात्मकता का गहरा प्रभाव भी इसका एक कारण है। महिलाएं समाज को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दे सकती हैं। महिलाओं ने राजनीति, व्यापार और मनोरंजन उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को विभिन्न तरीकों से सशक्त किया जा सकता है, लेकिन इस समय वित्तीय, सांस्कृतिक और सामाजिक सहित सभी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। लैंगिक समानता एक समतावादी समाज को बढ़ावा देती है और हमें अन्य देशों से अलग करती है। हमें महिलाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर देना चाहिए क्योंकि उनके पास बहुत क्षमता है। हमें उन्हें अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने का मौका देना चाहिए। कार्यक्रम के दूसरे सत्र को डॉ० महेन्द्र कुमार उपाध्याय ने संबोधित किया उन्होंने 'शिक्षा और स्वास्थ्य' विषय पर बोलते हुए कहा कि स्वस्थ छात्र बेहतर शिक्षार्थी होते हैं, और शैक्षणिक उपलब्धि जीवन भर स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। हाल के शोध से पता चलता है कि उच्च शैक्षणिक ग्रेड के छात्रों के बीच अधिक सकारात्मक व्यक्तिगत और संचयी स्वास्थ्य व्यवहार से जुड़े हैं। हालाँकि, युवा जोखिम वाले व्यवहार, जैसे शारीरिक निष्क्रियता, अस्वास्थ्यकर आहार व्यवहार, तंबाकू का उपयोग, शराब का उपयोग और अन्य नशीली दवाओं का उपयोग लगातार खराब ग्रेड और परीक्षण स्कोर और कम शैक्षिक उपलब्धि से जुड़े हुए हैं।इसके आगे बोलते हुए उन्होंने शरीर को स्वस्थ रखने वाले आवश्यक तत्वों पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस दौरान बच्चों ने कई कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये। प्रोफेसर विवेक कुमार त्रिपाठी,डॉ० सतीश चंद्र तिवारी,डॉ० योगेश मिश्रा और डॉ० दीपक आदि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

पुलिस द्वारा सड़क को पार्किंग बनाए जाने से हो रहे हैं हादसे

गरीब के घर की दीवार तोड़ते हुए ट्रेलर हुई दुर्घटनाग्रस्त चालक खलासी घायल

संदीपनघाट कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना पुलिस द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग को पार्किंग स्थल बना दिए जाने से दुर्घटनाएं बढ़ी हैं जिससे आए दिन वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते हैं लोगों की जान जोखिम में जाती है गरीबों के घर ध्वस्त हो जाते हैं लेकिन पुलिस है तो उसके द्वारा किए गए सारे कार्य नियम के विपरीत होने के बाद भी उस पर सवाल कौन उठायेगा संदीपन घाट थाना पुलिस द्वारा सड़क को पार्किंग स्थल बनाने के बाद कई बार पुलिस अधिकारियों ने संदीपनघाट थाना का मौका मुआयना किया आए दिल क्षेत्राधिकारी पुलिस थाना पहुंच रहे हैं लेकिन सड़क को पार्किंग स्थल बनाए जाने के मामले में थाना पुलिस पर उच्च अधिकारियों ने कार्यवाही नहीं की जिसका नतीजा यह रहा कि दुर्घटनाएं तेजी से बढ़ी है और लोगों की जान जोखिम में जा रही है रविवार की रात्रि में फिर पुलिस द्वारा सड़क पर खड़ी किए गए एक वाहन में दूसरा ट्रेलर वाहन टकरा गया है जिससे एक गरीब के घर की दीवार गिर गई है हादसे में ट्रेलर चालक और खलासी घायल हो गए हैं। थाने के सामने सड़क पर लावारिस हालत में एक अन्य कार खड़ी है 5 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने संज्ञान नहीं लिया गाड़ी में भाजपा लिखा है आखिरी यह गाड़ी किसकी है लावारिस हालत में पुलिस थाने के सामने सड़क पर कैसे खड़ी है 12 फरवरी 2023 को पकड़ी गई दारू का कंटेनर को पुलिस ने सड़क पर खड़ा कर दिया जिससे आवा गमन बाधित होता है पुलिस द्वारा सड़क पर खड़े कराए गए वाहन में पीछे से ट्रेलर ने टक्कर मार दी टक्कर इतनी जोरदार थी कि राजेश पुत्र जीते लाल रैदास के घर की दीवार टूट गई इस हादसे में गरीब के परिवार के साथ बड़ी घटना तो नहीं हुई लेकिन जिस तरह से घटना हुई है बड़ी घटना होने से इनकार नहीं किया जा सकता था हादसे में टेलर का चालक और खलासी घायल हो गए है पुलिस की लापरवाही हादसे का कारण बनी है सड़क को पार्किंग बनाने वाली पुलिस पर आखिर आला अधिकारी क्या कार्रवाई करेंगे इस बात का उत्तर इलाके की जनता पुलिस अधिकारियों से चाहती है।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री की गिरफ्तारी पर ममता सरकार का फूका पुतला

बंगाल में कार्यकताओं की गिरफ्तारी से पूरे देश भर में ममता सरकार को विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं का झेलना पड़ेगा आक्रोश

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने मंझनपुर चौराहे पर पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार का पुतला फूंककर विरोध प्रदर्शन किया।काशी प्रांत निजी विश्वविद्यालय के कार्य संयोजक ऋषभ द्विवेदी ने कहा की पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में ममता सरकार द्वारा संरक्षित तृणमूल कांग्रेस के नेताओं द्वारा स्थानीय महिलाओं का शारीरिक एवं मानसिक शोषण के विरोध एवं घृढित अपराध करने वालों की गिरफ्तारी को लेकर विद्यार्थी परिषद देश व्यापी आंदोलन कर रही है। जिसके सापेक्ष पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में भी विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से विरोध मार्च निकाल कर आंदोलन कर रहे थे लेकिन ममता सरकार द्वारा पोषित पुलिस प्रशासन भी घृणित कार्य पर उतर आई और प्रदर्शन कर रहे कार्यकताओं पर निर्दयतापूर्ण लाठीचार्ज कर जबरन अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क शुक्ल,केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य सुब्रत अधिकाय एवं अन्य कार्यकताओं को गिरफ्तार कर ले गई। आंदोलन कर रहे वक्ताओं ने कहा कि ऐसा घृणित कार्य ममता बनर्जी सरकार का महिला सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीलता को दशार्ता है साथ ही यह भी दिखाता है की राज्य में व्याप्त सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान में ममता सरकार अक्षम हो चुकी है मंझनपुर तहसील संयोजक सिवांशु शुक्ला ने कहा कि ममता बनर्जी का एक महिला होने के बाद भी नारी सम्मान को अपने पाले गए गुर्गों द्वारा तार तार करना महिला विरोधी प्रवृत्ति को दशार्ता है। धरना प्रदर्शन कर रहे आक्रोशित कार्यकताओं ने कहा कि बंगाल में कार्यकताओं की गिरफ्तारी से पूरे देश भर में ममता सरकार को विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं का आक्रोश झेलना पड़ेगा। विद्यार्थी परिषद अंतिम न्याय तक की लड़ाई लड़ती रहेगी। धरना प्रदर्शन पुतला दहन के समय तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा का कौशाम्बी आगमन, कोहोर्ट मिलन सम्मेलन में सहभागिता सहित कई कार्यक्रम में होंगे शामिल

कौशाम्बी। यूपी के पूर्व डिप्टी सीएम डाक्टर दिनेश शर्मा मंगलवार को कौशाम्बी आयेंगे,दिनेश शर्मा पार्टी द्वारा आयोजित कोहोर्ट मिलन सम्मेलन में सहभागिता करेंगे वही कई अन्य कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।पूर्व डिप्टी सीएम डाक्टर दिनेश शर्मा कार द्वारा लखनऊ से कौशाम्बी पहुचेंगे,वह सुबह 11 बजे कार द्वारा माँ शीतला धाम मंदिर कड़ा धाम आयेंगे और माता शीतला का दर्शन एवम पूजन करेंगे। पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा दोपहर 11.40 बजे कांशीराम गेस्ट हाउस ओसा पहुचेंगे और पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे।उनके बाद वह कोहोर्ट मिलन सम्मेलन में सहभागिता करेंगे।उसके बाद सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम/जन किसान संगठन / एनजीओ के साथ भोजन करेंगे।पूर्व डिप्टी सीएम 2.00 बजे पत्रकार प्रतिनिधियों से प्रेसवार्ता करेंगे।उसके बाद कौशाम्बी, प्रतापगढ़, फूलपुर लोकसभा/विधानसभा के विस्तारकों के साथ बैठक करेंगे, मंझनपुर नगर पालिका का निरीक्षण करेंगे।पार्टी द्वारा आयोजित अन्य अभियानों में सहभागिता (लाभार्थी एवं सम्पर्क शक्ति वंदन आदि) कार्यक्रम के साथ साथ घर-घर जनसंपर्क में सहभागिता करेंगे और उसके बाद लखनऊ के लिए रवाना हो जायेंगे।

देश एक संविधान एक तो चुनाव भी सब एक साथ होने चाहिए : सुशील जयहिंद

बोले नलकूप का बिल माफ करने के बाद भी किसानों का नहीं हुआ कोई लाभ

कौशाम्बी। जय जवान जय किसान मंच की एक बैठक रविवार को चायल तहसील में संपन्न हुई बैठक में किसानों के मुद्दे पर चर्चा हुई और कहा गया कि नलकूप का बिल माफ करने के बाद भी किसानों को लाभ नहीं मिल सका है सरकार को किसान और बेरोजगारों के लिए योजनाएं चलाई जानी चाहिए लेकिन सरकार किसान और बेरोजगार के हित में योजनाएं चलाने के लिए गंभीर नहीं है जिससे बेरोजगारी बढ़ी है और बेरोजगार युवक के साथ-साथ किसान परेशान है बैठक की अध्यक्षता संगठन के संयोजक सुशील जय हिंद ने किया। उन्होंने कहा कि जब देश एक है संविधान एक है तो फिर चुनाव भी सब एक साथ होने चाहिए लेकिन बार-बार चुनाव करा करके आम जनता पर बोझ डाला जा रहा है हर 6 महीने पर कोई न कोई चुनाव जनता की पीड़ा बना हुआ है जिसकी वजह से देश का विकास नहीं हो पा रहा है उन्होंने कहा कि इलाहाबाद से कई साल पहले कौशांबी जनपद का गठन हुआ था लेकिन आज भी कौशांबी जनपद विकास के नाम शून्य है ना कोई यहां स्वास्थ्य की अच्छी सुविधा है और ना यहां कोई उद्योग धंधे लगाए गए कौशाम्बी में बेरोजगारी चरम सीमा पर है रोजगार के चलते कौशांबी के बेरोजगार पंजाब हरियाणा गुजरात राजस्थान महाराष्ट्र पलायन कर रहे हैं उन्होंने कहा कि सरकार ने जहां नलकूप का लोगों का कर्ज माफ किया है इससे आम किसान को कोई फायदा नहीं हुआ है आम किसान नलकूप वाले से 100 रुपया प्रति घंटा की दर से अपने खेतों की सिंचाई करता है नलकूप वाले 100 रुपया से कोई भी पैसे कम नहीं लेते हैं आज भी गरीब किसान दुखी है उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बेरोजगार रो रहा है बेरोजगार नौजवान रो रहा है देश का किसान रो रहा है सरकार को बेरोजगारी के खिलाफ कठोर कदम उठाने चाहिए तथा गरीब किसानों को राहत हेतु नई-नई योजनाएं और स्कीम लानी चाहिए बैठक में भरत लोचन विपिन पटेल वीरेंद्र चौरसिया अतुल शिवलाल अनिल यादव सुभाष केसरवानी सुरेन्द्र पासी अजय पासी संतलाल कमलेश अखिलेश तथा संगठन के सैकड़ो लोग मौजूद है।

संपादक की कलम से

पूरी दाल ही काली है

2024 के आम चुनाव में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर पहले से ही कई सवाल खड़े हो रहे थे और अब चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के अचानक हुए इस्तीफे ने इन चुनावों पर संदेह की कालिमा को कुछ और गाढ़ा कर दिया है। भारत के लोकतंत्र की मजबूती में पारदर्शी तरीके से हुए चुनावों की अहम भूमिका रही है। चुनाव में जीत के लिए राजनैतिक दल कई तरह की तिकड़मों को आजमाते हैं, मतदाताओं को लुभाने के लिए भ्रष्ट तरीके अपनाए जाते हैं। मतदान केंद्रों पर गुंडागर्दी, मतदाता सूची में फर्जी नामों को जोड़ना, मतदाताओं को धमकाना, अपने राजनैतिक प्रतिद्वंदियों पर अनेक तरह के हमले करना, शराब या उपहारों के बदले मतों को खरीदने की कोशिश करना, सत्ता के लिए पाला बदल लेना, ऐसी बुराइयों की एक लंबी सूची है, जो चुनाव के वक्त खुलकर दिखाई देती हैं। ऐसा नहीं है कि इन बुराइयों का जन्म हाल-फिलहाल में हुआ है, बल्कि शुरूआत से ही राजनैतिक दल सत्ता में आने के लिए बेईमानी तरीकों से परहेज नहीं करते, लेकिन इसके बावजूद भारत में लोकतंत्र की साख बची रही तो इसका एक बड़ा कारण हमारी मजबूत संवैधानिक संस्थाएं थीं। यहां 'हैं' कि जगह 'थीं' का इस्तेमाल इसलिए करना पड़ रहा है, क्योंकि अब संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत करने के नाम पर बनी इन संस्थाओं की उपयोगिता संदिग्ध हो चुकी है। राजनैतिक दल चाहे जितने भ्रष्ट तरीके अपनाते रहें, निर्वाचन आयोग ने उन पर अंकुश लगाने का काम हमेशा किया। आचार संहिता, चुनाव में खर्च, निष्पक्ष मतदान इन सब का ख्याल निर्वाचन आयोग रखता था। इनमें कुछ गड़बड़ियां हुईं भी तो विपक्ष की शिकायत को पूरी जगह दी गई। सत्ता का खुलकर साथ देने का दुस्साहस नहीं किया गया। लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। अब न्यायपालिका से लेकर जांच एजेंसियों और संवैधानिक संस्थाओं तक किसी की निष्पक्षता कायम नहीं रही है। कोलकाता हाईकोर्ट से इस्तीफा देकर भाजपा के साथ जाने वाले अभिजीत गंगोपाध्याय से जब एक साक्षात्कार में पूछा गया कि गांधी या गोडसे में से किसे चुनेंगे, तो पूर्व जस्टिस इसका कोई जवाब देने की जगह गहरी सांस लेकर सोचते दिखे। यह उदाहरण समझने के लिए काफी है कि हमारा लोकतंत्र किस दुर्दशा को प्राप्त हो चुका है, जहां संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाले शख्स को राष्ट्रपिता या उनके हत्यारे में किसी एक का चुनाव करना मुश्किल हो गया है। इसके बाद यह सवाल उठेगा ही कि न्याय की आसंदी पर बैठकर जो फैसले उन्होंने लिए क्या वो निष्पक्ष थे, या तब भी एक राजनैतिक दल की विचारधारा से प्रेरित होकर काम किया जा रहा था। यही सवाल अब अरुण गोयल के इस्तीफे के बाद भी उठ रहे हैं। क्योंकि एक ओर इस्तीफे के पीछे निजी कारणों का हवाला दिया जा रहा है, दूसरी ओर चर्चा हो रही है कि श्री गोयल राजनीति में आना चाहते हैं और चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने इस्तीफा दिया है। इस कारण की कोई पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन अगर इसमें जरा भी सच्चाई है तो यह बेहद गंभीर बात है। बतौर चुनाव आयुक्त अरुण गोयल का कार्यकाल साल 2027 तक था और अभी तीन साल उन्हें इस पद पर रहना था। उनकी नियुक्ति भी बड़े संदिग्ध तरीके से हुई थी। पंजाब कैडर के आईएएस रहे अरुण गोयल ने 31 दिसंबर 2022 को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन उन्होंने 18 नवंबर 2022 को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी। और फिर तीन दिन बाद 21 नवंबर 2022 को वे चुनाव आयुक्त बनाए गए। उनकी इस तरह नियुक्ति पर भी सवाल उठे थे और अब इस्तीफे पर भी सवाल उठ रहे हैं। मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की सेवानिवृत्ति के बाद अगले साल फरवरी में अरुण गोयल मुख्य निर्वाचन आयुक्त बन सकते थे। लेकिन उन्होंने अभी ही आनन-फानन में इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजा, जिसे मंजूर भी कर लिया गया है। चुनाव की तैयारियों के लिए चुनाव आयोग की टीम अलग-अलग राज्यों का दौरा कर रही थी और अभी अरुण गोयल इस टीम के साथ पश्चिम बंगाल में दो दिवसीय दौरे पर थे। लेकिन आयोग ने इसके बाद जो प्रेस वार्ता की, उसमें वे शामिल नहीं हुए थे। तभी से ये कयास भी लग रहे थे कि या तो अरुण गोयल और राजीव कुमार के बीच कोई मतभेद है, या फिर ईवीएम पर उठते सवाल और चुनाव के लिए तय किए जा रहे चरणों को लेकर वे सहज नहीं थे। सरकार से किसी न किसी किस्म की असहमति उनकी थी और इस वजह से दबाव में आकर उन्होंने इस्तीफा दिया। अरुण कुमार के इस्तीफे का सही कारण क्या है, इसका खुलासा उन्हें खुद ही फौरन कर देना चाहिए, अन्यथा सवालों और कयासों की सूची बढ़ती जाएगी। संदेह का यह कुहासा लोकतंत्र के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं होगा। जनता अब भी यही मानती है कि वो अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर जिन लोगों को वोट डालकर आती है, उन्हीं में से बहुमत प्राप्त उम्मीदवार को विजेता माना जाता है। इस तरह जनता अपने पसंदीदा उम्मीदवार की जीत में अपनी जीत मानती है। लेकिन अगर पर्दे के पीछे कोई अलग खेल चल रहा हो, तो इसमें जनता को पता भी नहीं चलेगा कि वह कितनी चालाकी से ठगी गई है। ठगी का यह खेल तभी रुकेगा, जब संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता बरकरार रहेगी और सरकार के दबाव से मुक्त रहेगी। फिलहाल अरुण कुमार के इस्तीफे के बाद अब निर्वाचन आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ही शेष हैं। कायदे से वे अकेले भी लोकसभा चुनाव की घोषणा करने में सक्षम हैं। संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग के एकल सदस्य के प्रदर्शन यानी कार्य करने की अनुमति देता है। लेकिन इसमें पहले की तरह तीन सदस्य रहें तो जांच और संतुलन की गुंजाइश बरकरार रहती है। इसमें किसी को मन की बात करने की खुली छूट नहीं होती। सरकार ने पहले ही अपनी मर्जी के चुनाव आयुक्त को रखने का नियम बना लिया था। अरुण कुमार गोयल के इस्तीफे के बाद इस मनमानी के और बढ़ने की आशंका है। निष्पक्ष चुनाव की दाल में कुछ काला नहीं है, पूरी दाल ही काली है।

लोकतंत्र के एक और स्तंभ में दरार

बॉम्बे हाई कोर्ट की जस्टिस विनय जी. जोशी और जस्टिस वाल्मीकि एस. मेनेजेस की खंडपीठ ने माओवादियों से कथित संबंध के एक मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर 54 साल के जीएन साईबाबा को बरी कर दिया है। साईबाबा के साथ पत्रकार प्रशांत राही, महेश तिर्की, हेम केशवदत्त मिश्रा और विजय एन. तिर्की भी अब सभी आरोपों से मुक्त कर दिए गए हैं। जबकि इसी मामले में छठे आरोपी पांडु नरोटे इस इंसाफ की राह देखते हुए अगस्त 2022 में ही इस दुनिया से चले गए। उन्हें इतनी मोहलत भी नहीं मिली कि वे आजाद हवा में अपनी आखिरी सांस ले पाते। 2017 से जेल में बंद पांडु नरोटे बीमार हो गए थे, उन्हें इलाज की पूरी सुविधा नहीं मिली और कैद में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। वैसे ही जैसे फादर स्टेन स्वामी अपने बुढ़ापे और बीमारी के साथ कैद की यातना भुगतते हुए इस दुनिया से रुखसत हो गए। राष्ट्रीय अपराध रिपोर्ट ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, पर्याप्त चिकित्सा उपचार की कमी के कारण हर साल करीब 2000 लोग जेल में जान गंवा देते हैं। इनमें कुछ दोषी भी होंगे, जो अपने अपराधों की सजा काट रहे होंगे, कुछ आरोपी होंगे जो इंसाफ के इंतजार में बैठे होंगे और कुछ उमर खालिद की तरह भी होंगे, जिनकी रिहाई तो दूर की बात, जमानत पर सुनवाई तक के लिए अदालत के पास वक्त नहीं है। हर कोई गुरमीत राम रहीम जैसा ताकतवर तो नहीं होता है, जो हत्या और बलात्कार का दोषी होने के बाद 4 साल की जेल में 9 बार पैरोल पर बाहर आ सके। हमारी न्याय व्यवस्था जजों की कमी से जूझते हुए शायद इतना अधिक थक गई है कि वह यही तय नहीं कर पाई है कि समाज के लिए गुरमीत राम रहीम जैसे लोग ज्यादा घातक हैं, जो आध्यात्म की आड़ में हत्या, बलात्कार जैसे गंभीर अपराध करते हैं, या फिर वो लोग जो सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत रखते हैं, जो व्यवस्था में बदलाव के लिए क्रांतिकारी विचार रखते हैं। 2017 में गढ़चिरौली की सत्र अदालत ने साईबाबा समेत पांच लोगों को कथित माओवादी संबंधों और देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने जैसी गतिविधियों में शामिल होने के लिए दोषी ठहराया था। सरकार ने दावा किया था कि 2013 में साईबाबा के घर से जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में से कम से कम 247 पेज 'आपराधिक' पाए गए थे, मई 2014 में प्रो.जीएन साईबाबा को गिरफ्तार किया गया, तीन साल बाद इस पर मामला चला और अदालत ने नक्सली साहित्य रखने और उसे बांटकर हिंसा फैलाने की कोशिश के आरोप में सजा सुनाई। 2022 में हाइकोर्ट ने गढ़चिरौली सत्र अदालत के उस फैसले को पलट दिया था। लेकिन तब हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य ने तुरंत सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। जिसके बाद अक्टूबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के उफैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था और मामले की दोबारा सुनवाई करने की बात कही थी। अब एक बार फिर हाईकोर्ट ने साईबाबा समेत सभी को आरोपों से मुक्त करने का ही फैसला सुनाया है।

चुनाव आयोग निष्प्राण : चुनाव सुप्रीम कोर्ट करवाए

– शकील अख्तर

वैसे तो लोकतंत्र बचाने की जिम्मेदारी सत्ता की है। सरकार के पास ही सब साधन होते है कि वह लोकतंत्र मजबूत करे या उसे जैसा आज खतरे में दिख रहा है वैसा पतन के मुहाने तक ले जाएं। मगर इस बार वक्त ने जिसके लिए कहा जाता है 'समय बड़ा बलवान ने विपक्ष को मौका दिया है और जिम्मेदारी भी कि वह भारत के लोकतंत्र को बचाने के लिए ऐलान कर दे कि अब इस अविश्वसनीय हो गए चुनाव आयोग के नियंत्रण में चुनाव नहीं हो सकते। पूरी तरह अस्वीकार्य।

इस चुनाव आयोग का कभी नाम था। आज बदनाम है। कई देश अपने यहां निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव करवाने के लिए इससे निवेदन करते थे। नेहरू ने 1950 में चुनाव आयोग का गठन किया था। और उसके तत्काल बाद सूडान ने अपने यहां चुनाव करवाने के लिए नेहरू की सहायता मांगी थी। भारतीय चुनाव आयोग वहां गया और निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव करवा कर पूरी दुनिया में भारत की चुनाव प्रणाली का डंका पीट दिया। विश्व गुरु ऐसे होते थे।

इन्दिरा गांधी द्वारा बांग्ला देश बनाने के बाद वहां के चुनावों में भारतीय चुनाव आयोग ने पर्यवेक्षक की भूमिका अदा की। अरब देशों सहित कई देशों की चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए भारतीय चुनाव आयोग को बुलाया जाता रहा है।

मगर अब यह सब दादी नानी की कहानियां हैं। बेटा एक समय था जब हमारे देश का इतना नाम हुआ करता था! आज की हकीकत यह है कि भारतीय चुनाव आयोग में केवल एक सदस्य रह गया है। एक अनूप पांडे पिछले महीने रिटायर हो गए थे। उनकी जगह भरी नहीं गई। और एक अरुण गोयल ने अभी इस्तीफा दे दिया। बचे अकेले मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार हैं। एक सदस्यीय चुनाव आयोग।

यही समय है विपक्ष को जोरदार आवाज उठाना चाहिए कि इन एक बचे साहब को भी राहुल के बयानों में किस किस का नाम आया है किस का नहीं गिनने में लगाओ और चुनाव सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में करवाओ।

और खबरदार किसी बाहर के आब्जर्वर को घुसने मत देना। भारत ने नाम कमाया है विदेशों में जाकर चुनाव करवाने में, अपने यहां वह स्थिति नहीं होने देना कि अमेरिका युरोप इंग्लैंड जो पिछले कुछ समय से हमें लोकतंत्र पर उपदेश देने लगे थे अब हस्तक्षेप भी करने लगें।

वैसे तो लोकतंत्र बचाने की जिम्मेदारी सत्ता की है। सरकार के पास ही सब साधन होते है कि वह लोकतंत्र मजबूत करे या उसे जैसा आज खतरे में दिख रहा है वैसा पतन के मुहाने तक ले जाएं। मगर इस बार वक्त ने जिसके लिए कहा जाता है 'समय बड़ा बलवान ने विपक्ष को मौका दिया है और जिम्मेदारी भी कि वह भारत के लोकतंत्र को बचाने के लिए ऐलान कर दे कि अब इस अविश्वसनीय हो गए चुनाव आयोग के नियंत्रण में चुनाव नहीं हो सकते। पूरी तरह अस्वीकार्य।

सुप्रीम कोर्ट व्यवस्था बनाए। अपनी निगरानी में चुनाव करवाए। बेलेट पेपर से हों। किसी बाहर के आब्जर्वर को सोचने कहने की भी जरूरत न पड़े इतना फुल प्रूफ इंतजाम सुप्रीम कोर्ट करवाए।

हमारे चुनावों पर तो कभी किसी ने शक किया ही नहीं। 1975 की इमरजेन्सी के बाद इन्दिरा गांधी चाहतीं तो 77 के चुनाव चाहे जैसे करवा सकती थीं। मगर पूरी तरह निष्पक्ष और स्वतंत्र करवाए। और उसके बाद उतनी ही शांति से सत्ता हस्तांतरण किया। अभी अमेरिका में देखा दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र वहां हारने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने किस तरह सत्ता छोड़ने से इनकार कर दिया था। वहां भी भक्त होते हैं। वे वहां की संसद में घुस गए थे। इसलिए वहां अभी के राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि लोकतंत्र खतरे में है। पूरी दुनिया में और अमेरिका में भी।

मगर भारत में उसे बचाने का एक मौका विपक्ष के पास है। अमेरिका में तो जनता इतनी जागरूक है कि वह वहां किसी भी आधुनिक मूल्य को जिनमें लोकतंत्र सर्वोपरि है कमजोर नहीं होने देगी। मगर हमारे यहां की जनता जल्दी डर जाती है। उसका भय और साहस इस पर निर्भर करता है कि कौन सा पक्ष ज्यादा ताकतवर है। अगर डराने वाला है तो वह डर जाती है। हिम्मत दिलाने वाला है तो उठ खड़ी होती है। इसलिए राहुल को इतनी ज्यादा मेहनत करना पड़ रही है। डर के खिलाफ राहुल बहुत दिनों से अभियान चला रहे हैं। मगर हमारे यहां डर की जड़ें भी बहुत गहरी हैं। प्रधानमंत्री मोदी इसी का उपयोग कर रहे हैं। और एक काल्पनिक डर दिखाकर ध्रुवीकरण करते रहते हैं। इसलिए अमेरिका और युरोप की तरह हमारी जनता खुद लोकतंत्र को बचाने के लिए पहल नहीं करेगी। यह काम विपक्ष को ही करना होगा।

और समय ने उसे मौका दे दिया। चुनाव से ठीक पहले नई नियुक्तियां निष्पक्ष नहीं हो सकतीं। इसलिए नई नियुक्तियों का सवाल ही नहीं। चुनाव आयोग में पूरा प्रशासन तंत्र है। बस उसका संचालन सुप्रीम कोर्ट से होना चाहिए।

विपक्ष को अड़ जाना चाहिए। राजनीति में जो भी मौके का सही उपयोग नहीं करता उसे फिर कोई नहीं पूछता है। राजनीति में मौके बार बार नहीं मिलते। यह अवसर खुद समय ने दिया है। शायद कुछ चाहता है। देश का, जनता का भला। विपक्ष एक माध्यम है। उसे यह समझना होगा कि अभी नहीं तो कभी नहीं। नियम कानून, संविधान सब उसके पक्ष में हैं। मगर उन्हें इन्टरप्रेट (व्याख्या) करना होगा।

जोरदार ढंग से एकजुट होकर आवाज उठाना होगा। सुप्रीम कोर्ट स्वतः संज्ञान ले। किसी को कोर्ट में जाने की जरूरत नहीं है। नहीं तो वहां से तो बहुत दिनों से यह तरीका चल रहा है कि जनहित, देशहित, लोकतंत्रहित की ऐसी ही किसी याचिका के जाते ही उसे निरस्त करके खबर बना दी जाती है कि कोर्ट ने ठुकराया। विपक्ष को चोट।

सुप्रीम कोर्ट स्वतः संज्ञान ले। देश के लोकतंत्र की उसे भी कुछ चिंता होना चाहिए। उसी लोकतंत्र और संविधान से यह न्यायपालिका बची है। नहीं तो जैसे आरोप लगना शुरू हो गए हैं कि उसके पास लिख कर फैसले पहुंचने लगे हैं। वह फिर सबको दिखने भी लगेंगे।

देश में अगर न्याय नहीं है तो फिर कुछ नहीं है। राहुल की न्याय यात्रा का नाम और उद्देश्य यही है। सबसे जरूरी बात। राजतंत्र से लेकर और उससे पहले कबीलों में भी इंसाफ हमेशा रहा है। या उसकी आवाज रही है। वह एक सबसे पुराना शासन का मूल्य है। जिसकी अवहेलना कभी कोई निरकुंश ताकत भी नहीं कर सकी है। जनता सब सह लेती है एक न्याय की उम्मीद में। और अगर वही खत्म हो जाती है तो फिर जनता नहीं सह पाती। सुप्रीम कोर्ट यह सब जानता है। हम पत्रकारों से बहुत ज्यादा जानता है। मगर जैसा कहा कि डर व्यक्ति, संस्थाओं की सारी खुबियों को हर लेता है। डरा हुआ व्यक्ति कितना ही गुणवान हो किसी काम का नहीं होता। इसलिए राहुल का सबसे बड़ा नारा है - 'डरो मत!'

खबरें दब नहीं सकतीं। गोयल की खबर भी आ रही है। जल्दी पूरी खबर आ जाएगी। उनसे पहले ही ऐसे ही एक और चुनाव आयुक्त अशोक लवासा इस्तीफा दे चुके हैं। दरअसल चुनाव आयोग जिस हद तक गिरने को तैयार है उतना सब अधिकारी नहीं गिर सकते। बहुत सीनियर आईएएस अधिकारी होते हैं। अपने पूरे कैरियर में नाम कमाने वाले। किसी गलत बात का पार्ट बनकर अपना नाम खराब करना कोई नहीं चाहता है। हर आदमी को डर या लालच से काबू में नहीं किया जा सकता है। हर क्षेत्र में कुछ लोग हमेशा होते हैं जो गलत बात से समझौता नहीं कर पाते। चुनाव आयोग आज निष्प्राण, निष्प्रभावी हो गया है। वह निष्पक्ष चुनाव नहीं करा सकता। गेंद अब विपक्ष के पाले में है। देखना है वह इसका कैसे उपयोग करता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

भाजपा ने अपने अलग हुए सहयोगी पार्टियों के लिए खोले दरवाजे

– अरुण श्रीवास्तव

मोदी विपक्ष के प्रति इतने तिरस्कृत भाव से परिपूर्ण थे कि उन्होंने कांग्रेस की चुनौती को कभी गंभीरता से नहीं लिया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा बनायी गयी अलौकिक दुनिया में घूमते हुए, उन्होंने सोचा कि राहुल गांधी और गांधी परिवार के खिलाफ उनके कटाक्ष कांग्रेस को निरर्थक बना देंगे। उन्होंने कांग्रेस मुक्त भारत बनाने के लिए अपना अभियान भी चलाया।

ठीक 13 महीने पहले,10 फरवरी, 2023 को, नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में दुस्साहसिक दावा किया था, 'एक अकेला सब पर भारी। उन्होंने यहां तक कहा था कि 'एक व्यक्ति कई लोगों के लिए बहुत ज्यादा साबित हो रहा है'। उन्हें अपनी क्षमताओं, निपुणता और राजनीतिक शक्ति पर इतना भरोसा है कि उन्हें आम लोगों को 'मोदी की गारंटी' की पेशकश करते हुए सुना गया था।

अपने दस साल के शासन के दौरान उन्होंने अपने सहयोगियों को वस्तुतः अप्रासंगिक बना दिया और उन्हें राजनीतिक दायरे से बाहर कर दिया। दुर्भाग्यवश, उसी व्यक्ति, भारतीय राजनीति के लौह पुरुष, को इंडिया गुट की चुनौती से लड़ने के लिए, अपने पूर्व सहयोगियों से वापस आने, उनके साथ शामिल होने की भीख मांगते हुए देखकर वास्तव में दया आती है। मोदी को किसी अन्य व्यक्ति की सलाह और सुझाव सुनने से नफरत है। वह सबसे बुद्धिमान व्यक्ति हैं।

यह एक खुला रहस्य है कि 2014 का आम चुनाव जीतने के बाद उन्होंने तेलुगु देशम के चंद्रबाबू नायडू और अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल जैसे नेताओं को किनारे कर दिया था, जो कभी दोनों भाजपा के सबसे मजबूत सहयोगी थे। यहां तक कि उन्होंने ओडिशा के नवीन पटनायक के नेतृत्व वाले बीजेडी को भी नजर अंदाज कर दिया था। मोदी ने उनके साथ बेहद क्रूर व्यवहार किया। मोदी ने एक स्पष्ट संदेश दिया कि उन्हें ऐसे सहयोगियों की परवाह नहीं है और वह अकेले दम पर चुनाव जीतने में सक्षम हैं, चाहे राज्य में हों या केंद्र में।

हालांकि अकालियों ने तीन विवादास्पद और अब रद्द किये गये कृषि कानूनों को लेकर भाजपा से नाता तोड़ लिया था, लेकिन सच्चाई यह है कि बादल निराश महसूस कर रहे थे। 2014 के राज्य के विभाजन के बाद आंध्र से किये गये वादों को पूरा करने में केंद्र की विफलता के विरोध में तेलुगु देशम ने 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले वॉकआउट कर दिया था। नवीन भाजपा के प्रति दोहरा रवैया अपनाये हुए थे। चंद्रबाबू नायडू और उनके सहयोगी जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण पहले ही भाजपा नेतृत्व के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू कर चुके हैं। दरअसल नायडू के साथ कई दौर की चर्चा हो चुकी है। मोदी बादलों की आहत भावनाओं को मनाने में भी सफल रहे हैं। उनके साथ सीटों पर बातचीत भी चल रही है। मोदी विपक्ष के प्रति इतने तिरस्कृत भाव से परिपूर्ण थे कि उन्होंने कांग्रेस की चुनौती को कभी गंभीरता से नहीं लिया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा बनायी गयी अलौकिक दुनिया में घूमते हुए, उन्होंने सोचा कि राहुल गांधी और गांधी परिवार के खिलाफ उनके कटाक्ष कांग्रेस को निरर्थक बना देंगे। उन्होंने कांग्रेस मुक्त भारत बनाने के लिए अपना अभियान भी चलाया।

जरा सोचिए, जिस पार्टी (कांग्रेस) को प्रधानमंत्री मोदी ने महज दस साल में देश के राजनीतिक पटल से गायब कर दिया था, वह आक्रामक अंदाज में उभरने लगी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जमीनी स्तर पर लोग राहुल गांधी के आह्वान और कदमों पर अनुकूल प्रतिक्रिया दे रहे हैं, जिन्हें सही मायनों में अभी एक विकल्प के रूप में उभरना बाकी है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस के पास उनके अलावा कोई दूसरा चेहरा नहीं है जो मोदी के नेतृत्व में भगवा दिग्गजों की एक श्रृंखला का मुकाबला कर सकें। इसे डिकोड करना भागवत और मोदी पर निर्भर है। लेकिन एक बात तो तय है कि राहुल एक नये राजनीतिक दर्शन के प्रतीक हैं। अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान वह भारतीय संविधान के मूल मूल्यों और उसकी रक्षा कैसे की जाये, इस पर बात कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का अपने ही पूर्वानुमानों और अनुमानों पर से भरोसा उठना भाजपा के एक वरिष्ठ नेता की टिप्पणी से झलकता है। 'हम उन सभी एनडीए सहयोगियों को वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं जिन्होंने हमें छोड़ दिया था। सत्ता में बने रहने के लिए यह जरूरी है कि हमें कम से कम मौजूदा सदन में मौजूद सीटें तो मिलें। मोदी का ध्यान एनडीए के 400 का आंकड़ा पार करने पर है, जाहिर तौर पर इसे हासिल करने के लिए हमें अपने पुराने सहयोगियों को साथ लेना होगा।' उनके मुताबिक भाजपा नेताओं को सहयोगी दलों पर धौंस नहीं जमानी चाहिए।

प्रधान मंत्री मोदी और भाजपा नेतृत्व का मुख्य ध्यान दक्षिणी राज्यों पर केन्द्रित प्रतीत हो रहा है। पूर्व और उत्तर भारत के राज्य पहले से ही संतृप्ति स्तर पर पहुंचने के साथ, पार्टी दक्षिणी राज्यों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की उम्मीद कर सकती है। इसे पाने के लिए जरूरी है कि उसके पास ओडिशा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सीटों का बड़ा हिस्सा हो। भाजपा विधानसभा चुनाव में क्षेत्रीय दलों के लिए जगह खाली रखने के फॉर्मूले पर काम कर रही है।

बिहार में भाजपा को बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। चिराग पासवान और जीतन राम मांझी को अपने ऑफर पर सहमत कराना मुश्किल हो रहा है। जद (यू) 2019 में जीती गयी अपनी16 सीटों में से कुछ सीटों पर दावा छोड़ने के भाजपा नेताओं के सुझाव से भी सहमत नहीं है। इलाज के लिए नीतीश के ब्रिटेन जाने से भाजपा नेतृत्व को उम्मीद है उनकी वापसी के बाद जद (यू) भाजपा के दबाव के आगे झुक जायेगा।

रहिमन जिह्वा बावरी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वाकिंग करते-करते पुराने जूते फट गए थे। सोच रहा था नए जूते ले लूँ। इधर कुछ दिनों से हाथ बड़ा तंग चल रहा था। जैसे-तैसे पैसों का जुगाड़ हुआ। अपने करीबी साथी के सामने जूते खरीदने की बात यह सोचकर रखी कि वह किसी अच्छे ब्रेंड का नाम सुझाएगा। किंतु अगले कुछ मिनटों में उसने मेरा ऐसा ब्रेन वाश किया कि नए जूते खरीदना तो दूर सोचने से भी हाय-तौबा कर ली। मित्र ने बताया कि नए जूते शोरूम से ऐसे निकलते हैं मानो उनकी जवानी सातवें आसमान पर हो। उनके रगों में गरम लहू ऐसा फड़फड़ाता है मानो जैसे जंग में जा रहे हों। बिना किसी सावधानी के इन्हें पहनना बिन बुलाए आफत को दावत देने से कम नहीं है। पैरों को ऐसे काटेंगे जैसे कि केंद्र और राज्य सरकार जीएसटी के नाम पर पेट्रोल-डीजल का टैक्स काटते हैं। हाँ यह अलग बात है कि आम लोगों के लिए जीएसटी की समझ अभी भी दूर की पौड़ी है, किंतु नए जूतों का चुर्रर्र करने वाला संगीत भुलाए नहीं भूलते।

मित्र ने नए जूतों का इनसाइक्लोपीडिया ज्ञान बाँटते हुए आगे कहा झ यदि भूल से भी नए जूते खरीद लिये तो इन्हें कभी पास-पास मत रखना। दोनों ऐसी खिचड़ी पकायेंगे कि तुम्हारा जीना हराम कर देंगे। दोनों की ऐसी सांठ-गांठ होगी मानो वे जूते नहीं विपक्षी पार्टी हों। बात-बात में तुम्हारे विरोध में आवाज बुलंद करेंगे। इन्हें भूल से भी कैलेंडर, घड़ी, समाचार पत्रों की रैक के पास मत रखना, वरना ये कभी वेतन वृद्धि की मांग तो कभी काम करने के घंटों को लेकर तुम्हारे पीछे हाथ धोकर पड़ जायेंगे। कभी मंदिर जाने का प्लान बनाओ तो इनके साथ भूलकर भी न जाना। यदि इन्हें पता चल गया कि तुम बिना कोई मेहनत किए भगवान भरोसे अपना भाग्य बनाना चाहते हो तब तो तुम्हारी खैर नहीं। ऐसा काटेंगे तुम्हें तुम्हारी सातों पुश्तें याद आ जायेंगी।

मुझे लगा मित्र ह्यनव जूता बखानह्ण से थक गया होगा। उसे एक गिलास पानी देना चाहिए। किंतु मित्र था कि थकने का नाम ही नहीं ले रहा था। न जाने कौनसी एनर्जी ड्रिंक पीकर आया था? उसने आगे कहा झ अभी तो मैंने तुम्हें सबसे जरूरी बात बताई ही नहीं। इन्हें भूल से भी पत्नी के आस-पास फटकने मत देना। ये बड़े चुगली खोर होते हैं। अपने रूप-रंग से पत्नी के सामने तुम्हारे सारे काले चिट्ठे खोलकर रख देंगे। ये तुम्हें चलने में साथ दे न दें लेकिन पिटाई में जरूर साथ देंगे। ये ऐसी-ऐसी जगह पर अपना निशान बनायेंगे कि न किसी को दिखाए बनेगा न बताए।

इतना सुनना था कि मेरे होश उड़ गए। जैसे-तैसे होश में आते हुए हिम्मत की और पूछा - तो क्या नए जूतों का ख्याल दिमाग से निकाल दूँ? इस पर मित्र ने कहा झ सावधानी बरत सकते हो तो खरीदो, नहीं तो हाय-तौबा कर लो। ये इतने बदमाश होते हैं कि कितना भी महँगा मोजा खरीद लो लेकिन उसके भीतर घुसकर पैर काटने से बाज नहीं आते। इनके दाँत एकदम सरकार के दिखाए मनलुभावन सपनों की तरह होते हैं। मजाल जो कोई इन्हें देख ले! इन्हें पहले छोटी-छोटी दूरियों के लिए साथ ले जाओ। अच्छी-अच्छी जगह घुमाओ। इन्हें विश्वास दिलाओ कि तुम एकदम निहायती शरीफ इंसान हो। तब तक ये भी अपनी पकड़ ढीली कर देंगे। तब इनके कोरों पर थोड़ा तेल लगाओ। ये और फैल जायेंगे। तब अपने वसा वाले पैरों से अपनी दुनिया में मनमानी ढंग से घूमना। कहते हैं न जब सीधी उंगली से घी न निकले तो उंगली टेढ़ी करनी पड़ती है। यही आज का मूल मंत्र है।

मंडलायुक्त ने किया जिलाधिकारी कार्यालय के विभिन्न पटलों का निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा बालकृष्ण त्रिपाठी ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय के विभिन्न पटलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के पूर्व पुलिस गार्ड द्वारा आयुक्त चित्रकूट को सलामी दी गई।

मंडलायुक्त ने आईजीआरएस, ईडीएम, न्याय सहायक, समग्र प्राधिकारी भूमि अध्यप्ति, रामबन गमन पथ, भूमि व्यवस्था पटल, आंग्ल अभिलेखापाल, दैवीय आपदा, आयुध सहायक, राजस्व अभिलेखागार, सदर मालखाना, स्टोर रूम, जल जीवन मिशन के अंतर्गत चांदी बांगर एवं सिलौटा मुस्तकिल के मॉडल का निरीक्षण किया। आइजीआरएस में उन्होंने रजिस्टर का अवलोकन किया एवं निर्देशित किया कि फीडबैक लेकर रजिस्टर भी अपडेट करें। उन्होंने जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द से कहा कि जिन लेखपालों द्वारा गलत रिपोर्ट लगाई जाती है, उन पर कार्यवाही करें।

जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि हर गुरुवार को संतुष्टि समाधान के रूप में मनाया जाता है। मंडलायुक्त ने कहा कि किसान दुर्घटना के पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलाए। उन्होंने न्याय सहायक पटल का भी अवलोकन किया एवं अलमारी को खुलवाकर फाइलों का रखरखाव देखा। उन्होंने भूमि व्यवस्था पटल का भी निरीक्षण किया। मण्डलायुक्त ने डीएलआरसी को निर्देशित किया कि पुरानी लम्बित जो पत्रावलियां है, उसमें निर्णय लेकर जल्द से जल्द कार्रवाई करें। उन्होंने कृषक दुर्घटना के बारे में जानकारी ली। साथ ही कहा कि अगर शासन से धनराशि नहीं आयी है तो शासन से मांग कर भुगतान करें। उन्होंने कहा कि लाभार्थी को तत्काल सहायता दिया जाए बिलंब न करें।

इसके बाद उन्होंने दैवीय आपदा पटल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने फसल नुकसान की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि इसमें शासन की मंशा के अनुरूप त्वरित निस्तारण कराए। उन्होंने सदर मालखाना पटल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नजिर कलेक्टरेट को निर्देशित किया कि जो सामग्री उपयोग में नहीं है, उसे नीलाम कराएं। उन्होंने स्टोर रूम का भी निरीक्षण किया एवं सदर नजिर को निर्देशित किया कि जो अभिलेख रखे हैं, उसकी एक लिस्ट बनाकर चस्पा करें।

साथ ही निर्देशित किए जो अधिकारी अभिलेख ले जाएं वह ७ दिन के अंदर जमा करें। इस मौके पर जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे वंदिता श्रीवास्तव, अपर उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम अहमद, अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश प्रसाद, अपर उप जिलाधिकारी सतीश चंद्र, उप जिलाधिकारी कर्वी सौरभ यादव आदि मौजूद रहे।

कमिश्नर ने किया बूथों का निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा बालकृष्ण त्रिपाठी ने सोमवार को लोकसभा सामान्य निर्वाचन -2024 की तैयारी को लेकर 236 -चित्रकूट विधानसभा एवं 237- मानिकपुर विधानसभा के अंतर्गत मतदान केंद्रों में इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल सोनपुर, खोह, कंपोजिट विद्यालय बनकट, सीनियर बालिका विद्यालय नगर क्षेत्र कर्वी, चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वी, प्राथमिक विद्यालय कोलगदहिया, इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल बघौडा, कंपोजिट विद्यालय कोठिलिहाई आदि का निरीक्षण कर पेयजल, शौचालय, रैंप, प्रकाश व्यवस्था, फर्नीचर, बाउंड्री वॉल, दिव्यांग मतदाता एवं 80 प्लस वोट मतदाताओं की जानकारी बूथ लेवल अधिकारियों से किया। साथ ही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, उप जिलाधिकारी कर्वी सौरभ यादव, मऊ राकेश कुमार पाठक, मानिकपुर पंकज वर्मा आदि मौजूद रहे।

मंडलीय पेंशन अदालत 1 अप्रैल को

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह ने बताया कि आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा की अध्यक्षता में 1 अप्रैल को पूर्वाह्न 11 बजे से आयुक्त कार्यालय बांदा में मंडलीय पेंशन अदालत एवं सेवानिवृत अध्यापकों, कर्मचारी के लम्बित देयकों के सम्बन्ध में जनसुनवाई पूर्व की भांति आयोजित की जाएगी। पेंशन अदालत से सम्बन्धित वाद पत्र, प्रत्यावेदन निर्धारित प्रारूप पर तीन प्रतियों में तथा जनसुनवाई से सम्बन्धित शिकायती पत्र दो प्रतियों में कार्यालय अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन चित्रकूट धाम मंडल बांदा में पंजीकृत डाक से अथवा व्यक्तिगत रूप से 14 मार्च के सांय 4 बजे तक प्राप्त कराए जा सकते हैं। पेंशन अदालत से सम्बन्धित वाद पत्र तथा जनसुनवाई से सम्बन्धित शिकायती पत्र की एक प्रति कर्मचारी अपने मूल कार्यालय में भी प्राप्त कराएंगे।

अवैध शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस द्वारा दो आरोपियों को 62 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। चौकी प्रभारी शिवरामपुर सत्यमपति त्रिपाठी तथा आरक्षी नरेन्द्र, श्यामू द्वारा राम सिंह निवासी बड़ी मैडयन को 42 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार प्रभारी निरीक्षक राजापुर मनोज कुमार ने बताया कि उप निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार तथा मुख्य आरक्षी मुकेश कुमार, आरक्षी प्रकाश मिश्रा, अजय मिश्रा द्वारा नरेश यादव उर्फ लुंजा निवासी भदेदू को 20 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के विरूद्ध सम्बन्धित थानों में आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।

ग्रामोदय के विद्यार्थियो को एनएसएस शिविर शानदार प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पिछले एक सप्ताह से आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर, सम्मेलन के लिए चयनित महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के स्वयं सेवकों ऋषभ रघुवंशी और श्रद्धा सिंह दिखित ने शिविर में अपनी उत्कृष्टता का सराहनीय प्रदर्शन किया।

ग्रामोदय के विद्यार्थी विकसित भारत एम्बेसडर आर्टिस्ट वर्कशॉप में हुए शामिल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। नेशनल गैलरी ऑफ मार्डन आर्ट, ललित कला अकादमी नई दिल्ली में आयोजित विकसित भारत एम्बेसडर आर्टिस्ट वर्कशॉप में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के ललित कला में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियो ने सहभागिता की। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियो ने इस अवसर पर तैयार कृतियो को प्रदर्शित किया।

स्थानान्तरण के बाद सहायक आयुक्त को दी गयी भावभीनी विदाई

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला कर अधिवक्ता एसोसिएशन कर्वी चित्रकूट द्वारा जिला मुख्यालय में सोमवार को बैठक आयोजित की गई। जिसमें एल्डर समिति द्वारा अधिवक्ता एसोसिएशन के प्रस्तावित चुनाव प्रकिया को एक वर्ष के लिए आगे बढ़ाया गया।

बैठक में एल्डर समिति के चेयरमैन एडवोकेट राजेंद्र केशरी एवं एडवोकेट दुर्गा प्रसाद गुप्ता द्वारा सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया कि वर्तमान पदाधिकारी अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल, महामंत्री शिवनाथ त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष अभिनव केशरवानी को एक साल के लिए आगे बढ़ाया गया। इसी क्रम में जनपद में सहायक आयुक्त राज्य कर विभाग के पद पर कार्यरत प्रशांत अवस्थी के पदोन्नति एवं स्थानांतरण के अवसर पर विदाई समारोह का भी आयोजन किया गया। जिसमें अवनीश चैधरी सहायक कमिश्नर चित्रकूट राज्य कर विभाग, मनोज कुमार चित्रकूट राज्य कर विभाग उपस्थित रहे। जिला कर अधिवक्ता एसोसिएशन के संजय अग्रवाल ने बताया कि अब तक जनपद चित्रकूट मे सहायक आयुक्त पद पर कार्यरत रहे प्रशांत अवस्थी को सहारनपुर का डिप्टी कमिश्नर बनाया गया है। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता अनिल शुक्ल ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद कुमार गुप्ता, अधिवक्ता राकेश त्रिपाठी, दीपचंद, सुनील गुप्ता, दुर्गा प्रसाद, धर्मेंद्र कुमार, शुभम गुप्ता, सुरेंद्र आदि मौजूद रहे।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल (पूमा) शिक्षक संघ के प्रांतीय आवाहन पर ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चित्रकूट में 18 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। साथ ही मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपा।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में ज्ञापन देने के दौरान मांडलिक मंत्री सुरेश द्विवेदी, जिलाध्यक्ष विजय पाण्डेय, मिथलेश कुमार यादव, जिला महामंत्री विनय कुमार पाण्डेय, जिला कोषाध्यक्ष राधे श्याम तूफानी, सुजीत कुमार पाण्डेय, बद्री नारायण दीक्षित, राधेश्याम सिंह, नीलाभ गुप्ता, शिव प्रकाश वर्मा, रामकृष्ण पाण्डेय, वंदना वर्मा, ज्योति रिछारिया, नीलू पाण्डेय, शिवपूजन यादव, विजय वर्मा, दीनानाथ, ब्लॉक अध्यक्ष चित्रकूट संजीव श्रीवास्तव, मंत्री प्रेम चंद्र शिवहरे, ब्लॉक अध्यक्ष रामनगर श्रीनारायण पाण्डेय, मंत्री राघवेंद्र तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष मानिकपुर शंकर दयाल सिंह, मंत्री खेमराज सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष पहाड़ी ब्रम्हादीन मिश्रा, मंत्री लवलेश मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष मऊ शिवबाबू शुक्ला, मंत्री रमा शंकर सिंह, अजय सिंह, हेमराज गर्ग, संतोष सिंह, नरेंद्र कुमार मिश्रा आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की महत्वपूर्ण कड़ी है आशा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जनपद स्तरीय आशा सम्मेलन स्थान जगदगुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्व विद्यालय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सांसद आरके सिंह पटेल ने दीप प्रज्वलित कर एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया।

आशा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की बहुत महत्वपूर्ण कड़ी है। जिसके माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचता है। आशाओं द्वारा प्रत्येक व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी पहुंचाना एवं लोगो को स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित करना ही उनका कार्य है, यह विचार सांसद आर के सिंह पटेल ने आशा सम्मेलन में व्यक्त किया। उन्होने कहा कि हमारे देश की अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाएं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले हर व्यक्ति तक पहुंचे, तभी आशा अपने दायित्वों का निर्वाहन कर पायेगी। डा भूपेश द्विवेदी मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चित्रकूट ने सांसद आर के सिंह पटेल का बुके दे कर सम्मान एवं उनका अभिनन्दन किया। सांसद, सदर विधायक द्वारा आशाओं को वर्ष 2022-23 में किये गये उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डा भूपेश द्विवेदी मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक वर्ष आशा दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशाओं को सम्मानित किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आशा अपने क्षेत्र में अपने दायित्व संस्थागत प्रसव, नसबन्दी, टीकाकरण एवं अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर लक्ष्य को पूरा करें, जिससे कि स्वारथ्य विभाग कि आशाओं से जो उपेक्षाएं हैं अपेक्षाऐं हैं, वह पूरी हो तक। इस अवसर पर आशाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम (लोक गीत, रोल प्ले, सामूहिक गीत) के साथ ही साथ माँ भगवती लोकगीत पार्टी के द्वारा भजन कार्यकम प्रस्तुत किये गये, जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन विकास कुशवाहा (डीसीपीएम) के नेतृत्वमें किया गया। सम्मेलन में विभिन्न ब्लॉकों एवं शहरी क्षेत्र की आशा का सम्मलित करते हुये आशा, (मानिकपुर, मऊ, रामनगर, पहाडी, शिवरामपुर, शहरी क्षेत्र-6) एएनएम, आशा संगिनी एवं ग्राम प्रधानों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जनपद के प्रत्येक ब्लॉक से 3 आशाओं को पुरस्कृत किया गया तथा कुल 15 आशाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सम्मेलन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा भूपेश द्विवेदी, डा एमके जतारया, डा जीआर रतनेले, डा सन्तोष कुमार, डा अरुण कुमार, डा राजेश सिंह, डा हारून, डा मनीष यादव, डा शैलेन्द्र सिंह, डा उदय प्रताप सिंह, केशव शिवहरे सचिव रेडक्रास सोसाईटी एवं विकास कुशवाहा (डीसीपीएम) ने कार्यक्रम से सम्बन्धित आशा योजना पर अपने अपने विचार रखे। सम्मेलन में आशा नेन्टोरिंग ग्रुप के सदस्य केशव शियाहरे सचिव रेडक्रास सोसाईटी ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सम्मेलन में जिला कार्यक्रम प्रबन्ध इकाई चित्रकूट से आरके करवरिया, डीपीएम, विकास कुश्रवाहा, डीसीपीएम, सन्तोष कुमार श्रीवास्तव, डीडीएम, अरुण कुमार, डा उपलब्धि साहू, अजय शुक्ला, रामबाबू, जनपद स्तरीय एचएमआई कम्प्यूटर ऑपरेटर रूपनरायण यादव यूपीएचसी कोआर्डिनेटर, ज्ञानचन्द्र शुक्ला के साथ समस्त ब्लाको के ब्लॉक कार्यक्रम प्रबन्धक एवं ब्लॉक कम्यूनिटी प्रोसेस प्रबन्धक द्वारा अपना सक्रिय योगदान दिया गया।

नगर पालिका ईओ को डीएम ने लगाई फटकार, किया जवाब तलब

टंडन स्कूल के बाहर से अतिक्रमण नहीं हटा रहे ईओ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने सोमवार को लोकसभा सामान्य निर्वाचन -2024 को देखते हुए मतदान केंद्र राजर्षि टंडन विद्यालय पुरानी बाजार कर्वी, इस्लामिया विद्यालय, कंपोजिट विद्यालय, प्राथमिक विद्यालय तरौंहा, प्राथमिक विद्यालय नया बाजार बल्दाऊगंज कर्वी, कंपोजिट विद्यालय नया बाजार ट्रैफिक चैराहा कर्वी सहित अन्य विद्यालयों का निरीक्षण कर बूथों पर रैंप, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, फर्नीचर, पेयजल की व्यवस्था को देखा तथा बूथ लेवलऑफीसरों से गत चुनाव में मतदान प्रतिशत दिव्यांग मतदाता 80 प्लस के मतदाता डिलीसन महिला मतदाता 18 से 19 वर्ष के मतदाता आदि की जानकारी की।

जिलाधिकारी ने बूथ लेवल ऑफीसरों से कहा कि शहर में बहुत कम मतदान गत चुनाव में हुआ है आप लोग घर-घर जाकर मतदाताओं को जागरूक करके मतदान प्रतिशत को प्रत्येक दशा में बढ़ाना है। जिलाधिकारी ने तहसीलदार कर्वी से कहा कि जिन मतदान केंद्रों पर नए बूथ लेवल ऑफिसर बनाए गए हैं उनको प्रशिक्षण दिया जाए तथा जिन बूथ लेवल ऑफीसरों का कार्य सही नहीं है उनके कार्यों की रिपोर्ट भी प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने इन्हीं विद्यालयों में नीति आयोग के अंतर्गत सुंदरीकरण के कार्यों का भी निरीक्षण किया। विद्यालयों में कार्यों की प्रगति धीमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियंता आवास विकास को कारण बताओं नोटिस जारी किया जाने के निर्देश दिए, राजर्षि पुरुषोत्तम टंडन विद्यालय के बाहर अतिक्रमण होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद कर्वी को निर्देश दिए कि गत भ्रमण के दौरान भी यहां से अतिक्रमण हटाए जाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन आप द्वारा कोई कार्य नहीं कराया गया है। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को भी कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता आवास विकास को निर्देश दिए कि विद्यालयों के सौंदरीकरण का कार्य जो अवशेष है उसको तत्काल पूर्ण कराया जाए।

इस मौके पर तहसीलदार कर्वी वाचस्पति सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लव प्रकाश यादव, अधिशासी अभियंता आवास विकास विकास कुमार गौतम, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद कर्वी लाल जी यादव, खंड शिक्षा अधिकारी कृष्ण दत्त तिवारी, सहायक अभियंता आवास विकास सलिल कुमार, अवर अभियंता अनूप कुमार आदि मौजूद रहे।

युवाओं ने ग्रहण की सपा की सदस्यता

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य अनुज सिंह यादव ने सोमवार को विभिन्न दलों से आये एक दर्जन युवाओं को समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य अनुज सिंह यादव ने कहा कि देश और प्रदेश का नौजवान अखिलेश यादव की तरफ आशा भारी निगाहों से देख रहा। जब से देश और प्रदेश में भाजपा सरकार आई है तब से युवाओं में हताशा और निराशा छाई है। भाजपा सरकार ने वादा किया था की हर साल 2 करोड़ नौकरी दी जाइयेगी, लेकिन सरकार एक भी परीक्षा ऐसी नहीं कराई जो लीक न हुई हो, कुछ भर्तियों में सरकार ने पिछड़े वर्ग का आरक्षण डकारने का कार्य किया है। जिससे भर्तियां कोर्ट में फंसी पड़ी है। सरकार ऐसा इस लिये कर रही है की ताकि युवाओं कों रोजगार न देना पड़े। इस अवसर पर रामचन्द्र रैकवार, संतोष यादव, अनिल यादव, कन्हैया वर्मा, मंजीत यादव, आलोक विश्वकर्मा, धर्मेंद्र आदि ने सपा की सदस्यता ली।

स्टूडेंट्स पुलिस कैडेट के छात्रों को दी गयी पुलिस की कार्यप्रणाली की जानकारी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर नोडल अधिकारी एसपीसी क्षेत्राधिकारी राजापुर निष्ठा उपाध्याय के पर्यवेक्षण में थाना मानिकपुर के एसपीसी पुलिस अधिकारी निरीक्षक अपराध प्रभुनाथ यादव तथा एण्टी रोमियों टीम की महिला आरक्षियों द्वारा राजकीय कम्पोजिट विद्यालय ऐलहा में स्टूडेंट्स पुलिस कैडेट्स के छात्रों को उत्तर प्रदेश पुलिस से परिचय कराया। साथ ही पुलिस संरचना व कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में विस्तृत रुप से पढाया। स्टूडेंट्स पुलिस कैडेट की छात्राओं को उनके सुरक्षार्थ व सहायता के लिए महिला व बाल अपराध के बारे में प्रशिक्षित, जागरूक किया गया। शासन द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों 1090 वीमेन पॉवर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा तथा थानो पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तार से जानकारी देकर उन्हे जागरूक किया। साथ ही शासन के विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों के पम्पलेट्स वितरित किये गए।

स्टूडेंट्स पुलिस कैडेट को बताया गया कि उनके साथ हो रहे किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के सम्बन्ध में पुलिस से चुप्पी तोड़ो खुलकर बोलो जिससे उनके साथ हो रहे उत्पीड़न को रोका जा सके। स्टूडेंट्स पुलिस कैडेट को गुड-टच, बैड-टच के सम्बन्ध में विस्तृत रुप से जानकारी देते हुये बताया कि अक्सर छोटे बच्चों को हमारे जानने वाले ही बैड-टच करते हैं और हम समझ नहीं पाते, इसके सम्बन्ध में खुलकर बतायें तथा घर पर अपने छोटे भाई-बहन को भी गुड-टच, बैड-टच के सम्बन्ध में जानकारी दी।

नेपाल : नए गठबन्धन की सरकार ने तीन राज्यपाल को किया पदमुक्त, नए की नियुक्ति

नेपाल। नेपाल में सत्ता गठबन्धन के बदलने का साइड इफेक्ट दिखने लगा है। सरकार ने आज तीन प्रदेश के राज्यपालों को पदमुक्त करते हुए नई नियुक्तियां कर दी है। पदमुक्त किए गए राज्यपाल नेपाली कांग्रेस के कोटे से बने थे। सरकार ने इनको हटाकर अब गठबन्धन में शामिल एमाले पार्टी के निकट लोगों को राज्यपाल बनाया है।

सोमवार को हुई कैबिनेट की बैठक से तीन प्रदेशों के राज्यपालों को हटाने का निर्णय किए जाने की जानकारी सरकार की प्रवक्ता तथा सूचना संचार मंत्री रेखा शर्मा ने दी। कैबिनेट बैठक के निर्णय को सार्वजनिक करते हुए सरकार की प्रवक्ता ने बताया कि मधेश प्रदेश के राज्यपाल हरिशंकर मिश्रा, गण्डकी प्रदेश के राज्यपाल पृथ्वीमान सिंह गुरूंग और सुदूरपश्चिम प्रदेश के राज्यपाल देवराज जोशी को पदमुक्त करने का निर्णय किया गया है।

सरकार ने आज ही तीनों प्रदेश में नए राज्यपालों की नियुक्ति की सिफारिश राष्ट्रपति के समक्ष करने का फैसला किया है। मंत्री रेखा शर्मा ने कहा कि मधेश प्रदेश में सुमित्रा भण्डारी, गण्डकी प्रदेश में डिल्ली राज भट्ट और सुदूरपश्चिम प्रदेश में नजीर मियां को राज्यपाल के रूप में नियुक्ति की सिफारिश की है। आज नियुक्त किए गए तीनों राज्यपाल एमाले पार्टी के सदस्य हैं।

नेपाली संसद के उच्च सदन के अध्यक्ष पद पर मुकाबला सत्तारूढ़ माओवादी और विपक्षी कांग्रेस के बीच

काठमांडू। नेपाली संसद के उच्च सदन 'राष्ट्रीय सभा' के अध्यक्ष पद पर मुकाबला सत्तारूढ़ माओवादी पार्टी और विपक्षी कांग्रेस पार्टी से है। पिछले हफ्ते तक यह दोनों दल सत्ता में सहयात्री रहे हैं। माओवादी पार्टी ने नारायण दाहाल को उम्मीदवार बनाया है। नारायण, प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचण्ड के सहोदर भाई हैं। माओवादी के इस फैसले के बाद प्रधानमंत्री की आलोचना हो रही है। पार्टी नेताओं ने प्रचण्ड पर परिवारवाद थोपने का आरोप लगाया है। प्रचण्ड की बड़ी बेटी रेणु दाहाल भरतपुर की मेयर हैं। उनकी छोटी बेटी गंगा प्रधानमंत्री के निजी सचिवालय में कार्यरत है। उनका दामाद प्रदेश में विधायक हैं। प्रचण्ड की बहु बीना मगर पूर्व में सांसद और मंत्री रह चुकी हैं और इस समय कणार्ली प्रदेश की पार्टी इंचार्ज हैं। कांग्रेस पार्टी ने युवराज शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। विश्लेषकों के अनुसार, इस चुनाव में कांग्रस पार्टी की हार लगभग तय है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सभा की कुल 59 सीटों में से सत्तारूढ़ गठबन्धन दल माओवादी के पास 17, एमाले के पास 10, एकीकृत समाजवादी के पास 8 और जसपा के पास 3 सांसद है। विपक्षी गठबन्धन कांग्रेस के पास 16, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के पास एक, राष्ट्रीय जनमोर्चा के पास एक तथा राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत एक सांसद हैं।

इजराइली अधिकारी की हत्या करने वाले आतंकी को आईडीएफ ने हवाई हमले में किया ढेर

तेल अवीव। इजराइली सेना ने गाजा में एक रिजर्व अधिकारी की हत्या करने वाले आतंकवादी को एक हवाई हमले में मार गिराया है। यह जानकारी रविवार सुबह इजराइल रक्षा बलों ने दी है। आईडीएफ सैनिकों ने उस आतंकवादी पर हवाई हमले का निर्देश दिया जिसने मेजर (रेस.) अमीशर बेन डेविड की गाजा में हत्या कर दी थी। 43 वर्षीय बेन डेविड कमांडो ब्रिगेड प्रमुख की फॉरवर्ड कमांड टीम के प्रमुख थे। वह शुक्रवार को दक्षिणी गाजा में मारे गए थे। बेन डेविड को रविवार दोपहर यरुशलम के माउंट हर्जल सैन्य कब्रिस्तान में दफनाया गया। इस बीच, मध्य गाजा में, इजराइली बलों ने पिछले दिन विमान और लड़ाकू जेट, स्नाइपर फायर और टैंक फायर के माध्यम से 13 आतंकवादियों को मार गिराया है। एक हमले के दौरान एक हवाई ड्रोन ने सैनिकों के नजदीक एक इमारत के अंदर एक आतंकवादी दस्ते की पहचान की, जिसके नीचे एक भूमिगत सुरंग मार्ग स्थित था। थोड़ी देर बाद एक विमान ने इमारत और सुरंग पर हमला किया, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए। एक अतिरिक्त हमले के दौरान जमीनी बलों ने आस-पास संदिग्ध गतिविधि कर रहे पांच आतंकवादियों की पहचान की, जिसके बाद जवानों ने आतंकियों पर फायरिंग कर उन्हें ढेर कर दिया। शनिवार शाम को गाजा के उस इलाके से एक रॉकेट दागा गया, जहां आईडीएफ सैनिक काम कर रहे हैं। कुछ ही समय बाद लड़ाकू जेट और आईडीएफ तोपखाने ने प्रक्षेपण के स्रोत पर हमला किया। इसके अलावा, आईडीएफ के विशेष बल खान यूनिस के हमाद जिले में काम करना जारी रखते हैं, और भारतीय वायुसेना से हवाई कवर प्राप्त करते हुए आतंकवादियों के साथ नजदीकी लड़ाई करते हैं। पिछले दिनों बलों ने ऑपरेशनल सेंटरों पर छापेमारी की, जिसमें एके-47, ग्रेनेड और गोला-बारूद जब्त किया गया। पिछले सप्ताह में इजरायली बलों ने एक हथियार कारखाने, सुरंग शाफ्ट, रॉकेट लॉन्चिंग पदों और आवासों के बीच और नीचे कमांड सेंटर सहित व्यापक आतंकी बुनियादी ढांचे का खुलासा किया। बड़ी संख्या में हथियार, विस्फोटक और सैन्य उपकरण भी जब्त किए गए। 40 आवासीय भवनों के इस परिसर का नाम कतर के अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने इस परियोजना को करोड़ों डॉलर से वित्तपोषित किया था। खान यूनिस में अन्यत्र, जमीनी बलों के सैनिकों ने पिछले दिन क्षेत्र में हमलों की एक श्रृंखला के दौरान 17 आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवादियों पर हमला करने और उन्हें खत्म करने का निर्देश दिया, जबकि एक अन्य आतंकवादी एक सैन्य संरचना से बाहर निकलते समय टैंक की गोलीबारी में मारा गया। उत्तरी गाजा में इजरायली लड़ाकू विमानों ने रात भर जबल्या और बेत हनौन के इलाकों में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर भी हमला किया।

भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा : राणे

मुंबई/नई दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री नारायण राणे ने सोमवार को कहा कि 2030 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिंधुदुर्ग में प्रौद्योगिकी केंद्र युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इससे राज्य के विकास और औद्योगिक विकास को और बढ़ावा मिलेगा। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र की आधारशिला रखने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राणे ने यह बात कही। इसके साथ ही उन्होंने सिंधुदुर्ग औद्योगिक महोत्सव और स्वरोजगार कॉन्क्लेव का भी उद्घाटन किया। राणे ने कहा कि वर्ष 2030 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिंधुदुर्ग में प्रौद्योगिकी केंद्र युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

ऑस्कर में 'ओपनहाइमर' की धूम, 'बेस्ट पिक्चर' का खिताब

लॉस एंजलिस। दुनिया के सर्वोच्च फिल्म सम्मान (96वें ऑस्कर अकादमी अवॉर्ड्स) का आगाज यहां हुआ।अकादमी अवॉर्ड्स में इस साल बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड 'ओपनहाइमर' को मिला है। इसी के साथ उसने ऑरिजनल स्कोर अपने नाम कर लिया। रेड कारपेट पर इसकी घोषणा होते लुडविग गोरान्सन ने मंच पर पहुंचकर इसके लिए अपने माता-पिता का आभार जताया।

पुरस्कार-दर-पुरस्कार

इसके अलावा होयटे वैन होयटेमा को 'ओपनहाइमर' के लिए सिनेमैटोग्राफी के लिए ऑस्कर मिला है। जेनिफर लेम को फिल्म एडिटिंग के लिए ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। उन्हें यह अवॉर्ड फिल्म 'ओपनहाइमर' के लिए मिला है। 'ओपनहाइमर' के लिए किलियन मर्फी को बेस्ट एक्टर का ऑस्कर मिला है। इसके अलावा निदेशक श्रेणी में भी 'ओपनहाइमर' का दबदबा रहा। निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन को अवॉर्ड मिला है।

यह भी खास है

एक्शन शॉर्ट फिल्म की श्रेणी में 'द वंडरफुल स्टोरी ऑफ हेनरी सुगर' ने ऑस्कर अपने नाम किया। इस आयोजन का सीधा प्रसारण भारत में 11 मार्च की सुबह लगभग चार बजे सोनी लिव ने किया। बेस्ट डॉक्यूमेंट्री का अवॉर्ड '20 डेज इन मारियूपोल' को मिला है। इस श्रेणी में निशा पाहुजा की भारतीय डॉक्यूमेंट्री पीछे रह गई। डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म की श्रेणी में 'द लास्ट रिपेयर शॉप' को ऑस्कर मिला है। एक्ट्रेस इन लीडिंग रोल का अवॉर्ड एमा स्टोन को मिला है। उन्हें यह अवॉर्ड पुअर थिंग्स के लिए मिला है। ऑरिजनल सॉन्ग के लिए 'बार्बी' फिल्म को ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। 'व्हाट वॉज आई मेड फॉर?' गाने के लिए बिली एलीश और फिनीस को संयुक्त रूप से यह अवॉर्ड प्रदान किया गया। टार्न विलर्स और जॉनी बर्न को 'साउंड' कैटेगरी में 'द जोन ऑफ इंट्रेस्ट' के लिए ऑस्कर मिला है।

96 साल पुराना इतिहास

ऑस्कर का इतिहास 96 साल पुराना है। साल 1929 में पहला अकादमी अवॉर्ड आयोजित हुआ था। ऑस्कर में विनर सिलेक्शन प्रॉसेस बेहद दिलचस्प है। पहले ज्यूरी ही विनर का नाम तय करती थी और विनर का नाम ब्रीफकेस में बंद किया जाता था।

लुईस बी मेयर की सोच

साल 1927 में अमेरिका के एमजीएम स्टूडियो के मालिक लुईस बी मेयर ने सबसे पहले इसके बारे में सोचा था।

उनके दिमाग में आया कि क्यों न एक ग्रुप बनाया जाए जिसमें पूरी फिल्म इंडस्ट्री को फायदा मिल सके। उन्होंने डायरेक्टर फ्रैड निबलो, फिल्म मेकर फीड बिटसोन और एक्टर कॉनरेड नागेल आदि से विचार-विमर्श किया। सब को यह विचार भाया। बाद में एक होटल में हॉलीवुड के 36 प्रमुख लोगों के साथ मंथन कर 'अकादमी पुरस्कार' प्रारूप तैयार किया गया। मार्च, 1927 में हॉलीवुड एक्टर और प्रोड्यूसर डगलस फेयरबैंक्स अकादमी पुरस्कार का अध्यक्ष बनाया गया।

ऐसे फाइनल हुई ट्रॉफी

इसके बाद यह सोचा गया कि सम्मान पाने वाले को दिया क्या जाएगा। इस पर लंबी बहस चली। तभी तय हुआ कि एक ट्रॉफी दी जाए। इस ट्रॉफी को अलग-अलग तरह से डिजाइन कराया गया। एक डिजाइन फाइनल की गई, जिसमें तय हुआ कि हाथ में तलवार लिए एक वॉरियर खड़ा होगा। इस मूर्ति को बनाने की जिम्मेदारी एमजीएम स्टूडियो के आर्ट डायरेक्टर केड्रिक गिबोन्स को मिली। ऑस्कर की ट्रॉफी 13 इंच लंबी और 8.85 किलोग्राम की बनाई गई थी। इसमें 92.5 प्रतिशत टिन, 7.5 प्रतिशत तांबा लगाया गया और आखिर में सोने की परत चढ़ाई गई। तब एक ऑस्कर ट्रॉफी को बनाने में 400 डॉलर यानी लगभग 33 हजार 77 रुपये का खर्चा आया।

यादगार तारीख... 16 मई, 1929

पहला अकादमी पुरस्कार 16 मई, 1929 आयोजित हुआ था। इसमें करीब 270 हॉलीवुड सेलिब्रिटीज शामिल हुए। इन सभी सेलेब्स को हॉलीवुड रूजवेल्ट होटल के ब्लॉसम रूम में आने के लिए आमत्रंण भेजा गया था। यहीं पर पहला ऑस्कर इवेंट हुआ। इसमें कोई दर्शक नहीं था। यह इनेंट महज 15 मिनट में खत्म हो गया था। यह इवेंट पेड था। इसका एक टिकट पांच डॉलर का बेचा गया था।

पहला विजेता

कहते हैं कि पहला ऑस्कर जर्मन एक्टर एमिल जेनिंग्स ने जीता था, हालांकि वह अवॉर्ड के पहले दावेदार नहीं माने जाते हैं। यह अवॉर्ड जर्मन शेफर्ड नस्ल के एक डॉग के लिए था, जिसका नाम टिन टिन बताया गया था। इस डॉग को फर्स्ट वर्ल्ड वॉर के समय फ्रांस में रेस्क्यू किया गया था। बाद में उस डॉग ने हॉलीवुड की करीब 27 फिल्मों में काम किया। इनमें से दो फिल्मों में इस डॉग ने बेहतरीन काम भी किया था। इसलिए अवॉर्ड कमेटी ने उसे पहला ऑस्कर मिलने का हकदार माना था लेकिन अकादमी पुरस्कार के पहले अध्यक्ष फेयरबैंक्स ने सोचा कि अगर पहला अवॉर्ड किसी डॉग को दिया जाएगा तो समाज में एक गलत मैसेज जा सकता है। इसलिए कमेटी ने उस डॉग और जर्मन एक्टर एमिल जेनिंग्स को लेकर मतदान कराया। इसमें सबसे ज्यादा मत एमिल को मिले और वो पहले ऑस्कर विजेता बने।

बदलता रहा विनर्स अनाउंस करने का तरीका

साल 1930 में दूसरा ऑस्कर अवॉर्ड आयोजित किया गया। इसे पहली बार रेडियो पर प्रसारित किया गया। साल 1953 में पहली बार टीवी पर ऑस्कर अवॉर्ड्स दिखाए गए। अब करीब 200 देशों में इस अवॉर्ड सेरेमनी को लाइव दिखाया जाता है। साल 1939 में अकादमी अवॉर्ड का नाम ऑस्कर किया गया। दिलचस्प है कि ऐसा करने की वजह आज तक सामने नहीं आई। साल 1929 में विनर्स के नाम तीन महीने पहले उन्हें भेज दिए गए थे। दूसरे इवेंट में फैसला हुआ कि विनर्स के नाम अवॉर्ड सेरेमनी की रात को करीब 11 बजे मीडिया के लिए जारी किए जाएंगे और यह सिलसिला साल 1941 तक चला। 1942 से नॉमिनेशन की लिस्ट से लेकर विनर्स के नाम बंद लिफाफे से निकाले जाते हैं। तब से यही प्रचलन है।

रमजान माह में गाजा में युद्ध विराम के लिए काहिरा में इसी सप्ताह वार्ता संभव

काहिरा। रमजान माह में गाजा में युद्ध विराम और शांति के लिए काहिरा में इसी सप्ताह वार्ता हो सकती है। यह जानकारी इजराइल ने दी है। इस संबंध में इजराइली खुफिया संगठन मोसाद के प्रमुख डेविड बर्निया ने अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआइए के निदेशक विलियम बर्न्स से मुलाकात की है। इजराइली प्रधानमंत्री के कार्यालय के अनुसार इजराइल युद्धविराम के लिए मध्यस्थों का पूरा सहयोग कर रहा है। इस समझौते के लिए दोनों पक्षों के असहमतियों को सुलझाने का भी प्रयास किया जा रहा है। हमास सूत्रों के अनुसार युद्धविराम पर वार्ता के लिए संगठन इस सप्ताह के अंत में अपना प्रतिनिधिमंडल काहिरा भेजेगा। इजराइल अपने 130 बंधक नागरिकों की रिहाई के लिए अस्थायी युद्धविराम पर तैयार है। इन बंधकों की रिहाई के लिए इजराइल में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। विदित हो कि नवंबर 2023 में हुए एक सप्ताह के युद्धविराम में हमास ने 105 इजराइली बंधक रिहा किए थे। इसके बदले में तीन गुना फलस्तीनी कैदी इजरायली जेलों से रिहा किए गए थे। लेबनान के सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला ने रविवार को इजराइल के उत्तरी भाग में 35 राकेट दागे। इन हमलों से कुछ भवनों को नुकसान हुआ है लेकिन किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इसे लेबनान पर इजराइल के शनिवार के हवाई हमले का जवाब माना जा रहा है। इससे पहले इजरायल के हमले में शनिवार को दक्षिणी लेबनान में एक परिवार के पांच सदस्य मारे गए थे और नौ घायल हुए थे।

गाजा और वेस्ट बैंक में युद्ध की विभिषिका के बीच रमजान माह के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। गाजा में युद्धविराम की अनिश्चितता के बीच तैयारियां हो रही हैं तो वेस्ट बैंक में इजराइली सुरक्षा बलों के साए में धार्मिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है। यरुशलम के पुराने शहर की गलियों में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त हैं। वहां पर प्रतिदिन दसियों हजार लोग अल अक्सा मस्जिद में नमाज के लिए जाने की कोशिश करेंगे लेकिन प्रतिबंधों का पालन करते हुए इजरायली बल उनमें से ज्यादातर को रोकने की कोशिश करेंगे।

पाकिस्तान में उमर अयूब विपक्ष के नेता पद के उम्मीदवार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता के तौर पर उमर अयूब खान उम्मीदवार है। अयूब खान इमरान खान की पार्टी पीटीआई से हैं और उनको सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) का समर्थन है। वे दोनों पार्टियों के संयुक्त उम्मीदवार हैं। ज्ञात रहे कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लंबे समय से जेल में बंद हैं। दोनों दलों ने शनिवार को नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक के कार्यालय में उमर का नामांकन दाखिल कराया। उमर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद के लिए भी दोनों दलों की ओर से संयुक्त उम्मीदवार थे, जिन्हें पिछले हफ्ते पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के शहबाज शरीफ ने हरा दिया था। आम चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर जीत दर्ज करने वाले खान की पार्टी के करीब 90 उम्मीदवार एसआईसी में शामिल हो गए थे ताकि आरक्षित सीट हासिल की जा सके।

जानकारी के मुताबिक, मलिक आमिर डोगर ने एसआईसी सुप्रीमो साहिबजादा हामिद रजा और नेशनल असेंबली (एमएनए) के सदस्यों अली मोहम्मद खान, रियाज फत्याना, डॉ. निसार अहमद जट्ट और अन्य की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया। एक सवाल के जवाब में डॉ. जट्ट ने उम्मीद जताई कि अयूब बिना चुनाव के आम सहमति से नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता बन जाएंगे और इस बाबत कोई चुनाव नहीं होगा। विपक्ष के नेता को संघीय मंत्री का दर्जा प्राप्त होता है। उन्हें एक अलग कार्यालय मिलता है, जहां आमतौर पर विपक्षी दल बैठकें करते हैं। संसद की लोक लेखा समिति का अध्यक्ष आमतौर पर विपक्ष का नेता ही होता है।

सऊदी अरब में दिखा रमजान का चांद, पहला रोजा आज

दुबई। सऊदी अरब में रविवार को इस्लाम के पवित्र महीने रजमान का चांद नजर आ गया। इसी के साथ पश्चिम एशिया के कई देशों में सोमवार को पहला रोजा (व्रत) रखा जाएगा। सऊदी अरब के सरकारी टीवी ने खबर दी है कि अधिकारियों ने चांद देख लिया है। सऊदी अरब में अधिकारी लोगों से रविवार की शाम को आसमान में चांद देखने की अपील कर रहे थे। हालांकि दक्षिण और पूर्वी एशिया के कई देशों में आम तौर पर रजमान का महीना सऊदी अरब से एक दिन बाद शुरू होता है यानी इन देशों में मंगलवार से पवित्र महीने का आगाज होगा। गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ इजराइल की जंग की वजह से पश्चिम एशिया में बढ़े हुए तनाव के बीच इस बार रमजान का महीना आ रहा है। रमजान के महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग सूरज निकलने से लेकर सूर्यास्त तक कुछ खाते पीते नहीं हैं। वे इस दौरान इबादत करते हैं और कुरान का पाठ करते हैं, साथ ही दान करते हैं।

वित्त मंत्री ने पीएफआरडीए के अध्यक्ष दीपक मोहंती से मुलाकात की

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों के मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष दीपक मोहंती से मुलाकात की। वित्त मंत्री कार्यालय ने ह्यएक्सह्व पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने पीएफआरडीए के अध्यक्ष दीपक मोहंती से मुलाकात की है। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान दीपक मोहंती ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से किन मसलों पर बात की, इसकी जानकारी नहीं नहीं दी गई है।

उल्लेखनीय है कि पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) भारत में पेंशन फंड्स के लिए बनाई गई नियामक संस्था है।

बांग्लादेश का बेली रोड अग्निकांड, हताहत महिला पत्रकार की पहचान ब्रिश्ती खातून के रूप में हुई

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में 29 फरवरी को हुए बेली रोड अग्निकांड में हताहत 46 लोगों में महिला पत्रकार ब्रिश्ती खातून भी शामिल हैं। उनकी पहचान में डीएनए परीक्षण ने अहम भूमिका निभाई। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने रविवार को यह खुलासा किया।

ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, ब्रिश्ती के माता-पिता सबुज शेख उर्फ शबलुल आलम और ब्यूटी खातून से एकत्र किए गए नमूनों से उसके नमूने का मिलान किया गया। तीनों के नमूनों के मेल खाने से इसकी पुष्टि हुई। पत्रकार ब्रिश्ती खातून राजधानी के ईडन कॉलेज के दर्शनशास्त्र विभाग की छात्रा थीं। सात मंजिला ग्रीन कोजो सेंटर में लगी भीषण आग में उनकी मौत हो गई थी। ज्यादातर लोग वहां दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ डिनर के लिए गए थे।

रिपोर्ट के अनुसार, शुरू में उनके दोस्तों और पूर्व सहयोगियों ने शव की पहचान ओविश्रुति शास्त्री के रूप में की। हालांकि, उसके माता-पिता ने शुरू से ही दावा किया था कि वह ब्रिश्ती थी। सबुज और ब्यूटी मुस्लिम हैं जबकि ओविश्रुति शास्त्री एक हिंदू नाम का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए पहचान पर भ्रम गहराता गया। तब डीएनए नमूने एकत्र किए जाने का फैसला किया गया। सीआईडी ने साफ किया है कि जन्म पंजीकरण और कॉलेज प्रमाणपत्र में भी उनका नाम ब्रिश्ती खातून के रूप में दर्ज है।

सीआईडी के उप महानिरीक्षक एकेएम नाहिदुल इस्लाम ने कहा कि डीएनए की रिपोर्ट शनिवार शाम विभाग को मिली। इस बारे में जांच अधिकारी को अपडेट कर दिया गया है। इस बीच, रमना पुलिस थाना प्रभारी उत्पल बरुआ ने कहा कि सीआईडी ने तुरंत उन्हें इसकी सूचना नहीं दी। अगर डीएनए मेल खाता है, तो उसका शव निश्चित रूप से उसके परिवार को सौंप दिया जाएगा। ब्रिश्ती के माता-पिता ने कहा कि वे उसका शव मिलने का इंतजार कर रहे हैं।